शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 130 | गुवाहाटी | सोमवार, 9 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शंभू बार्डर से किसानों ने किया दिल्ली कूच पुलिस ने रोका, एक दर्जन किसान घायल पेज 2
अस्पतालों और डॉक्टरों से बांग्लादेशी नागरिकों का इलाज नहीं करने की मांग पेज 3
धर्म परिवर्तन रोकने के लिए उठाने होंगे जरूरी कदम पेज 5
ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य-अकार्य के तत्व दर्शी ही मंत्री होने चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

सीरिया में विद्रोहियों ने किया कब्जा, देश छोड़ भागे राष्ट्रपति

दमिश्क (हि.स.)। सीरिया में करीब 50 साल के बाथ शासन और 24 साल के बशर अल असद शासन का रविवार को अंत हो गया। विद्रोही गठबंधन के सामने असद की ताकतवर सरकार 10 दिन भी नहीं टिक पाई। इसके साथ ही 2011 से चल रहे गृहयुद्ध का भी खात्मा हो गया। राजधानी दमिश्क की सड़कों पर लोग जश्न मना रहे हैं। अपने शासन का अंत करीब देख बशर अल असद पहले ही देश छोड़ कर भाग चुके हैं। सीरियाई सेना ने इसकी पुष्टि की। सीरिया के सार्वजनिक संस्थानों पर कब्जे के साथ विद्रोही गुट ने रविवार को सीरिया के आजाद होने की घोषणा की। जेलों से कैदियों को रिहा करने की घोषणा की गई। इस्लामी चरमपंथी गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएएस) और विद्रोही गठबंधन ने कहा है कि अब नया सीरिया बनेगा, जहां सब शांति से रहेंगे। विद्रोहियों की तरफ से कहा गया कि देश के सार्वजनिक संस्थान *पूर्व प्रधानमंत्री* की देखरेख में रहेंगे, जब तक नई सरकार सत्ता पर काबिज नहीं हो जाती। इससे पहले प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल जलाली ने भी एक रिकॉर्डेड बयान में विद्रोहियों से मिलकर नई सरकार के गठन की बात कही। बशर अल असद ने साल 2000 में अपने पिता हफीज अल-असद के बाद सीरिया की कमान संभाली थी। हफीज अल असद ने 1950-60 के गृहयुद्ध के बाद तख्तापलट कर सीरिया की सत्ता संभाली थी। पिता हफीज अल असद ने 29 साल शासन किया। इस तरह साल 1971 के बाद से 2024 तक असद परिवार का सीरिया पर शासन रहा।

असद के पिता हफीज अल अस्साद ने बाथ पार्टी बनाई थी और इस पूरे शासनकाल में यही पार्टी सत्ता का प्रतिनिधित्व करती रही। इसलिए दमिश्क पर कब्जे के बाद विद्रोहियों ने बयान जारी कर कहा कि बाथ पार्टी के शासन के 50 सालों के उत्पीड़न और 13 सालों के अपराध, अत्याचार और विस्थापन का सामना कर आज, 8 दिसंबर, 2024 को उस कालयुग का अंत और सीरिया के नए युग की शुरुआत का हम एलान करते हैं। 2011 में अरब स्प्रिंग के दौरान सीरिया में बशर अल असद शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह भड़का था। लेकिन उस समय सत्ता पर मजबूत पकड़ रखने वाले असद को रूस और ईरान जैसे सहयोगियों के कारण विद्रोहियों से निबटने में सफलता मिली थी। इस बार विद्रोहियों के सामने उखड़े असद के पांव इस बार केवल 10 दिनों में असद का साम्राज्य ढह गया। असद शासन की इस कमजोरी के पीछे मौजूदा वैश्विक परिदृश्य है जहां असद शासन का समर्थन करने वाला रूस खुद युक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। जबकि ईरान इजराइल के साथ सैन्य संघर्ष में उलझे होने के कारण असद शासन के समर्थन में मजबूती से खड़ा होने की स्थिति में नहीं था। ईरान के समर्थन वाले हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के लगातार अभियानों ने उसकी कमर तोड़ कर रख दी है। बशर अल असद सरकार और विद्रोही गुटों के बीच जारी संघर्ष में अब तक पांच लाख से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। संयुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

ये हमारी लड़ाई नहीं, हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए : ट्रंप

वॉशिंगटन। सीरिया में आंतरिक संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है और वहां विद्रोही गुट राजधानी दमिश्क में दाखिल हो गया है। इस बीच सभी की निगाहें अमेरिका पर टिकी हैं कि वह इस स्थिति में क्या कदम उठाता है। हालांकि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान कर दिया है कि यह हमारी लड़ाई नहीं है और अमेरिका को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सीरिया में बहुत गड़बड़ी है, लेकिन वह हमारा दोस्त नहीं है। अमेरिका को इससे कोई मतलब नहीं है। ये हमारी लड़ाई -शेष पृष्ठ दो पर

हाई अलर्ट पर हैं हमारे सैनिक : रूस

मॉस्को। सीरिया में विद्रोहियों के राजधानी दमिश्क तक पहुंचने के बीच रूस ने दावा किया कि बशर अल असद ने देश छोड़ दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि विद्रोही समूहों के साथ बातचीत के बाद असद ने सीरिया छोड़ दिया है और उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण का निर्देश दिया है। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर एक पोस्ट में मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को ने इन -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के दूतावास पर हमला सभी कर्मचारी सुरक्षित

तेहरान। सीरिया का विद्रोही समूह अल-नुशरा फ्रंट राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर चुका है और उसने बशर अल-असद की सत्ता को गिराने का दावा किया है। इस बीच, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने रविवार को जानकारी दी कि सीरिया में उनके दूतावास पर हमला हुआ है। अल-नुशरा फ्रंट जिसे हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) भी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

यूसीसी देश के लिए जरूरी : इलाहाबाद एचसी के जज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट के मौजूदा जज जस्टिस शेखर कुमार यादव ने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में *समान नागरिक संहिता: एक संवैधानिक आवश्यकता* विषय पर अपनी बात रखी। यह कार्यक्रम हाई कोर्ट परिसर के लाइब्रेरी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में यूसीसी पर चर्चा के अलावा, वक्फ बोर्ड अधिनियम और धर्मांतरण के कारणों और -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय पादरी को कार्डिनल नियुक्त करने पर पीएम ने जताई खुशी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय पादरी आर्कबिशप जॉर्ज जैकब कूवाकड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल नियुक्त किया जाना देश के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि जॉर्ज कूवाकड ने ईसा मसीह के अनुयायी के रूप में मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने दिए अश्लील सामग्री के लिए महिलाओं और पत्रकारों को ऑनलाइन निशाना बनाने की जांच के आदेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को पुलिस से उन खबरों की जांच करने को कहा जिनमें कई पत्रकारों समेत महिलाओं को सोशल मीडिया मंच पर समूहों द्वारा अश्लील सामग्री के लिए उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल कर निशाना बनाया जा रहा है। एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से जब इस घटना पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई तो शर्मा ने कहा कि मैं डीजीपी से मामले की जांच करने को कहूंगा। मनोरंजन उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई पत्रकारों और महिलाओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समूहों द्वारा निशाना बनाया गया है, जो उनकी तस्वीरों का उपयोग करके उपयोगकर्ताओं को इन महिलाओं से मिलवाने का वादा करके उन्हें फंसाते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि कुछ पीड़ितों ने पहले ही शिकायत दर्ज करा दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। असम महिला पत्रकार फोरम (एडब्ल्यूजेएफ) ने पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को निशाना -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने पलाशबाड़ी-शुवालकुची पुल का किया भूमि पूजन

जून 2028 तक पूरा होने की उम्मीद : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को ब्रह्मपुत्र नद पर पलाशबाड़ी-शुवालकुची पुल के भूमि पूजन समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस दिन को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया और राज्य के परिवहन नेटवर्क को बढ़ाने में इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने 14 अप्रैल, 2023 को असम की अपनी यात्रा के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य भाजपा मंडलों के पास 2026 तक स्थायी कार्यालय होंगे : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि सत्तारूढ़ भाजपा लोगों के साथ अपने संबंध को मजबूत करने के लिए असम भर में हर मंडल में स्थायी कार्यालय बना रही है। कामरूप (ग्रामीण) जिले में शुआलकुची मंडल के कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात करते -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में हिंसा भड़काने की कोशिश नाकाम

इंफाल। मणिपुर को फिर से सुलगाने की एक कोशिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। दरअसल मणिपुर पुलिस ने इंफाल के थंगल बाजार इलाके में अपहरण की कोशिश नाकाम कर दी और दो लोगों को बचा लिया। इस मामले में पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनगांबा) से जुड़े उग्रवादी तेनसुबाम बंगकिम को अपहरण के इस मामले में इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मणिपुर के एक शरणार्थी कैंप से -शेष पृष्ठ दो पर

मानस राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड उछाल, राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि

बंगाइगांव। असम में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल मानस राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की बढ़ती आमद देखी गई है, जिससे राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल ने 500 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों सहित 10,000 से अधिक आगंतुकों को आकर्षित किया है, जिससे 33 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। पर्यटकों के लिए अपने प्रवास के दौरान कई साहसिक गतिविधियां उपलब्ध हैं, जिनमें जीप सफारी, हाथी सफारी और रिवर राफ्टिंग शामिल हैं। यह दुनिया भर के आगंतुकों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है। पर्यटक इन दिलचस्प गतिविधियों को आजमाकर पार्क के -शेष पृष्ठ दो पर

डीवाईएफआई ने असम शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम परिवर्तन की आलोचना की

गुवाहाटी। डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) की असम राज्य समिति ने हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल शिक्षकों के लिए आगामी *टीईटी-सह-भर्ती परीक्षा* के पाठ्यक्रम में अचानक बदलाव करने के राज्य शिक्षा विभाग के कदम की कड़ी निंदा की है। डीवाईएफआई ने इसे मनमाना और गैर-जिम्मेदाराना कृत्य बताया जो शिक्षित युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करता है। डीवाईएफआई के अनुसार, नए पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य से संबंधित विषय-विशिष्ट ज्ञान पर ध्यान -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने सोनिया गांधी पर लगाए आरोप, कहा-

जॉर्ज सोरोस के साथ मजबूत हैं कांग्रेस के रिश्ते

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा ने अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस पार्टी के रिश्तों को लेकर सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। आज भाजपा की ओर से एक के बाद एक पोस्ट सोशल मीडिया पर किए गए। भाजपा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी पर सवाल उठाया। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाते हुए कहा कि एफडीएल-एपी फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी, जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ी हुई है। वहीं, भाजपा की ओर से यह भी कहा गया कि संबंध भारत के विकास को रोकने के जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस पार्टी के लक्ष्य को दिखाता -शेष पृष्ठ दो पर

डब्ल्यूएचओ अलर्ट : दुनिया एक और महामारी के कगार पर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से उभरी दुनिया के लिए अफ्रीका से चिंताजनक खबर सामने आई है। कांगो में एक अज्ञात संक्रमण से अब तक 79 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी टीमों को प्रभावित क्षेत्र में भेज दिया है। कांगो और डब्ल्यूएचओ की संयुक्त टीमें इस रहस्यमय संक्रमण के कारणों और प्रकृति को समझने में जुटी हुई हैं। यह संक्रमण अक्तूबर में कांगो के पांजी क्षेत्र में पहली बार सामने आया। अब तक 376 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें 5 साल से कम उम्र के 200 बच्चे शामिल हैं। संक्रमण के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एनीमिया शामिल हैं। अफ्रीका के रोग नियंत्रण और -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया गठबंधन का नेता आम सहमति से चुना जाए : तेजस्वी

पटना। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन लीड करने के बयान को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार सहित सपा नेता ने ममता बनर्जी के बयान का समर्थन किया है और कहा है कि उनमें इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने की क्षमता है। अब इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का बयान आया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता का चुनाव आम सहमति से होगा। बता दें कि ममता बनर्जी ने हाल में इंडिया गठबंधन के कामकाज पर असंतोष जताया था और कहा था कि यदि उन्हें मौका दिया गया तो वह इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने के लिए तैयार हैं। उसके बाद इंडिया गठबंधन के कई नेताओं के बयान सामने आए थे और ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया दी थी। तेजस्वी यादव ने रविवार को पटना के हवाई अड्डे पर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ममता बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

शंभू बार्डर से किसानों ने किया दिल्ली कूच पुलिस ने रोका, एक दर्जन किसान घायल

अंबाला (हि.स.)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बार्डर पर धरना दे रहे किसानों ने रविवार की दोपहर दिल्ली कूच का प्रयास किया। पुलिस व किसानों के बीच करीब चार घंटे तक जद्दोजहद चलती रही। इस बीच पुलिस द्वारा एयर गन से किसानों की तरफ फूल बरसाए गए। किसानों ने दावा किया कि पुलिस ने चकमा देने के लिए यह सब किया और कुछ ही पलों में फूल बरसाने वाली गन से आंसू गैस के गोले बरसाए गए। कई घंटे के बाद किसानों ने कूच को टाल दिया और वापस लौट गए। शंभू बार्डर पर धरना दे रहे किसानों ने आज दूसरी बार दिल्ली कूच का प्रयास किया। किसान जैसे ही आगे बढ़ने लगे तो हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी। इसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इस पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें 7-8 किसान घायल घायल हुए। इसके साथ किसानों पर पानी की बौछार भी की गई। हालांकि इस बीच हरियाणा पुलिस ने किसानों पर फूल भी बरसाए। इस गफलत के बीच किसानों पर आंसू गैस के गोले बरसने शुरू हो गए। किसानों में भगदड़ मच गई। किसान नेता सरवन पंधेर के मुताबिक एक किसान की हालत गंभीर है। उसे चंडीगढ़ पीजीआई रैफर किया गया है। ऐसे में जत्थे को वापस बुलाने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि कल दोनों फोरम फैसला करेंगे कि आगे कब जाना है। किसान नेताओं ने कहा कि कई घायल किसान ऑक्सीजन गैस सिलेंडर लगाकर अस्पताल गए हैं।

दिसपुर में विधायक आवास पर हिंसक झड़प में एक घायल

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी दिसपुर में विधायक बलीन चेतिया के सरकारी आवास पर दो व्यक्तियों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपों के अनुसार संजीव गोहाईं नामक व्यक्ति ने एक व्यक्ति पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल व्यक्ति की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। झड़प के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए पीड़ित को तत्काल चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वन्य प्राणियों के अंग के साथ एक गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बिजनी के झारबिसपानी इलाके से वन विभाग के टीम ने वन्य प्राणियों के अंगों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वन विभाग ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान के झारबिसपानी निवासी वासुदेव राय (38) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से विभिन्न वन्य प्राणियों के अंग बरामद किए गए। बरामद वन्य जीवों के अंगों में बाघ की हड्डी, दांत, हिरण का सींग समेत अन्य जानवरों के अंग शामिल हैं। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तीन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार देर शाम को असम पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा बशिष्ठ थाना क्षेत्र के तहत बालूघाट में छापेमारी की गई। छापामारी में एक कुख्यात ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार किया गया। उक्त छापेमारी में संदिग्ध हेरोइन युक्त 27 शीशियां (जिनका वजन 36.05 ग्राम था), एक मोबाइल फोन, एक स्कूटी (एएस-01एफएच- 5928), नकद 240 रुपए बरामद किए गये। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान दीपक ब्रह्म (34) के रूप में हुई है। बाद में, उसकी निशानदेही पर दिसपुर थाना अंतर्गत बेलतला बाजार, गारोकुची पथ पर निरेन चंद्र तेरोन (मकान मालिक) के किराए के घर की तलाशी ली गई। इसमें दो और कुख्यात ड्रग पैडलरों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी में संदिग्ध हेरोइन युक्त 102 शीशियां बरामद की गईं, जिनका वजन 138 ग्राम था। दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गये। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान बरोट पातिर (40) तथा निर्देश चंद्र तेरान के रूप में हुई है।

मणिपुर में अफीम की खेती करने के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने अफीम की खेती के सिलसिले में एक ग्राम अध्यक्ष समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया और 31 एकड़ भूमि पर लगाए गए अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया। मणिपुर पुलिस ने रविवार को बताया कि उखरुल जिले के खमासोन रेंज में रात के समय एक अभियान चलाकर इलाके में अफीम की खेती में लिप्त चार लोगों को गिरफ्तार किया। इससे करीब 30 एकड़ में अफीम की खेती का पता चला। बाद में उन्हें नष्ट कर दिया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान पेइमी रामसक (27), लाइटसन शिमराह (49), कपंगखुई खशिम और यतेई एसवी (22) के रूप में हुई है। उनके पास से एक एयर गन और दो चाकू बरामद किए गए हैं। एक अन्य सूचना के अनुसार मणिपुर पुलिस, वन विभाग और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम ने मणिपुर के माओ थाना अंतर्गत माओ पुंगडोंग में अफीम की खेती नष्ट करने का अभियान चलाया। अभियान में एक एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया। क्षेत्र के ग्राम अध्यक्ष के खिलाफ आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो वाहनों से 12 मवेशी बरामद

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के डिमो के राजमाई इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर पुलिस ने स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की मदद से अभियान चलाकर दो वाहन से 12 मवेशियों को बरामद किया। पुलिस ने रविवार को बताया कि अल्पसंख्यक गौ सुरक्षा वाहिनी, असम की मदद से चलाए गए इस अभियान के दौरान डिमो राजमाई साप्ताहिक बाजार से गोलाघाट ओर हलोवाटिंग की ओर जा रहे दो वाहनों (एएस-04सीसी-0780 और एएस-01एमसी-9233) को जब्त किया गया। एक वाहन से 6 गाय और दूसरे वाहन से 6 बैल बरामद किया गया। दोनों वाहनों के अंदर बड़े ही क्रूर तरीके से पशुओं की तस्करी की जा रही थी। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू है, बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है।

डंपर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के अजंता बाईपास इलाके में बालू लेकर जा रहे तेज रफ्तार डंपर द्वारा ठोकर मार जाने से स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार को रेत से लदे डंपर द्वारा ठोकर मारे जाने से स्कूटी चालक लोहित दत्त की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक जोरहाट जिले के राजाकिया कुरकातली का रहने वाला बताया गया है।

पत्नी ने की पति की हत्या, गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई के आसूदूबी इलाके में पत्नी द्वारा पति की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि नजमा बीबी नामक महिला ने अपने पति आमिर अली की लोहे के रॉड से प्रहार कर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल अवस्था में इलाज के लिए आमिर को ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत बिगड़ते देख डॉक्टरों ने उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पर आज सुबह उसकी मौत हो गई। पति की हत्या के मामले में पत्नी नजमा बीवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

सीरिया में विद्रोहियों ...

राष्ट्र के मुताबिक, सीरिया में गृहयुद्ध के कारण अब तक कम से कम 3,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं। असद शासन के अंत के बाद दुनिया भर की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में सीरिया की सत्ता की तस्वीर क्या होगी। सीरिया में नई सरकार कैसे बनेगी क्योंकि जिन विद्रोही लड़ाकों ने असद शासन का अंत किया है, उनमें शामिल अलग-अलग गुट सत्ता में ज्यादा भागीदारी का दावा करेंगे। इनमें ज्यादातर कट्टरपंथी विचारधारा के हिमायती गुट हैं जो विचारधारा के हिसाब से देश चलाने पर जोर देंगे। इन सभी में शासन और नई सरकार की नीतियों को लेकर एकराय होगी, इसकी संभावना कम ही है।

ये हमारी लड़ाई ...

नहीं है। हमें इसमें शामिल नहीं होना चाहिए और इससे बाहर रहना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि असद का सहयोगी रूस है, लेकिन वह इन दिनों यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। ऐसे में सीरिया में जो कुछ हो रहा है, उसमें रूस ज्यादा कुछ करने की स्थिति में नहीं है। रूस ने कई वर्षों तक सीरिया की रक्षा की। ट्रंप ने ये भी लिखा कि अगर रूस, सीरिया से निकल जाता है तो इससे रूस को ही फायदा होगा क्योंकि सीरिया से उन्हें कुछ नहीं मिला है। ट्रंप ने भले ही सीरिया युद्ध से अमेरिका के बाहर रहने की बात कही है, लेकिन सीरिया में अभी भी 900 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी सीरिया से अपने सैनिकों को निकालने की बात कही थी। ऐसे में एक बार फिर सत्ता पर काबिज होने के बाद ट्रंप ऐसा फैसला कर सकते हैं। हालांकि रक्षा सलाहकारों का मानना है कि अमेरिका को ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे जो खालीपन पैदा होगा, उसे रूस और ईरान द्वारा कब्जाया जा सकता है। सीरिया में जारी गृह युद्ध असल में पूरे पश्चिम एशिया पर दबदबा बनाने की राजनीति का हिस्सा है।

हाई अलर्ट पर हैं ...

वार्ताओं में सीधे तौर पर भाग नहीं लिया है। इसने यह भी कहा कि यह सीरिया में नाटकीय घटनाओं पर अत्यधिक चिंता के साथ नजर रख रहा है। इसने यह भी कहा कि सीरिया में तैनात रूसी सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और रविवार दोपहर तक वहां रूस के सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए कोई गंभीर खतरा नहीं था। गौरतलब है कि रूस ने सितंबर 2015 से सीरिया में सैन्य अभियान चलाया है, जिसमें ईरान के साथ मिलकर असद की सरकार को सशस्त्र विपक्षी समूहों से लड़ने और देश के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण हासिल करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, रूस अब अपने सैन्य संसाधनों का बड़ा हिस्सा यूक्रेन में केंद्रित करता है, लेकिन फिर भी इसने सीरिया में अपनी सैन्य पकड़ बनाए रखी है और वहां अपने ठिकानों पर सैनिकों को रखता है। इस बीच विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि विद्रोहियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में कब्जा कर लिया है। इससे पहले रविवार को सीरियाई विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा करने के बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद को पद से हटाने की घोषणा की, जिससे उन्हें भागने पर मजबूर होना पड़ा और 13 साल से ज्यादा समय से चल रहे गृहयुद्ध के बाद उनके परिवार के दशकों के शासन का अंत हो गया, जो मध्य पूर्व के लिए एक बड़ा झटका था। इस्लामी विद्रोहियों ने सीरिया के मध्य क्षेत्र में रूस और ईरान के प्रभाव को भी एक बड़ा झटका दिया, जो सहयोगी हैं और संघर्ष के महत्वपूर्ण दौर में असद का साथ दिया था। विद्रोहियों ने कहा कि वे सेना की तैनाती के बिना ही राजधानी में घुस आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने रॉयटर्स को बताया कि हजारों लोग कारों में सवार होकर और पैदल मुख्य चौराहे पर एकत्र हुए तथा हाथ हिलाते हुए असद परिवार के आधी सदी के शासन से आजादी के नारे लगाते हुए एकत्र हुए।

ईरान के दूतावास ...

कहा जाता है, उसने सबसे पहले देश के अलेप्पो शहर पर कब्जा किया था, जिसके बाद उसने होम्स, दारा शहरों पर नियंत्रण पाने का दावा किया। विद्रोही समूह ने अंत राजधानी दमिश्क पर कब्जा करने की घोषणा की। ईरानी टीवी चैनल ने बताया कि कुछ अज्ञात हमलावरों ने ईरान के दूतावास पर हमला किया है। चैनल ने अल-अरबिया नेटवर्क से मिले वीडियो फुटेज भी जारी किए, जो दूतावास परिसर के अंदर के थे। ईरान के अखबार तेहरान टाइम्स ने जानकारी दी कि हमले से पहले दूतावास के सभी ईरानी राजनयिक वहां से सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, दूतावास के कर्मचारी पूरी तरह से सुरक्षित हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि विद्रोह समूहों के दूतावास पर हमला किया है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। ईरान के अधिकारियों ने अभी तक बशर अल-असद की सरकार के पतन पर कोई टिप्पणी नहीं की है। शनिवार को विद्रोही समूहों ने अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी थी। लेकिन दमिश्क पर तब तक नियंत्रण नहीं पाया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघजी ने सीरिया की सरकार और विद्रोही समूहों से बातचीत का आह्वान किया था। यह बयान ईरान की रणनीति में अहम मोड़ था, क्योंकि इससे पहले ईरान विद्रोही समूहों को आतंकवादी गुट मानता था और उन्हें वैध विपक्ष नहीं मानता था। अराघची ने एक दिसंबर को दमिश्क का दौरा भी किया था, जब विद्रोही समूहों ने सीरिया में हमले तेज कर दिए थे। यह दौरा बशर अल-असद की अंतिम सार्वजनिक मौजूदगी के दौरान हुआ था, जिसमें ईरानी अधिकारी भी उनके साथ थे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियां ने भी दो दिसंबर को बशर अल-असद के साथ फोन पर बातचीत की और ईरान का समर्थन जताया था। सीरिया में 2011 से गृह युद्ध जारी है, जिसमें ईरान ने हमेशा सीरिया का समर्थन किया है और बशर अल-असद की सरकार के अनुरोध पर सैन्य सलाहकार भेजे थे। सीरिया में ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजी) के कई कमांडर मारे गए थे, जिनमें कुछ इजरायल के हमलों में मारे गए थे।

सीएम ने दिए अश्लील...

बनाने की इस घटना की निंदा की और इसे ऑनलाइन दुर्व्यवहार और महिलाओं के खिलाफ अपराध का मामला करार दिया। एडब्ल्यूजेएफ ने एक बयान में कहा कि यह परेशान करने वाली बात है कि हमारे कुछ सदस्यों को फेसबुक पेज - *असमिया गर्ल्स ऑनलाइन* और *असमिया ब्यूटीफुल गर्ल्स* चलाने वाले अज्ञात उपयोगकर्ताओं द्वारा इस बदनामी अभियान में निशाना बनाया गया है। एडब्ल्यूजेएफ ने मामले की गहन जांच की मांग की और संबंधित मीडिया संगठनों से प्रभावित पत्रकारों का समर्थन करने तथा उन्हें ऐसे मामलों में आवश्यक कानूनी और संस्थागत सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

जून 2028 तक पूरा...

दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आधारशिला रखे जाने को याद किया, जब उन्होंने एम्स, तीन नए मेडिकल कॉलेजों और नाहरकटिया में एक पेट्रोकेमिकल पहल का भी उद्घाटन किया था। विशेष रूप से, उसी दिन, 12,000 बिहू नर्तकियों ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया, जिससे असम की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा बढ़ी। उन्होंने परियोजना रिपोर्ट के विकास, निविदा प्रक्रियाओं और भूमि अधिग्रहण सहित बाद की कार्रवाई का उल्लेख किया, जो आज के भूमिपूजन से समाप्त हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल 3.6 किलोमीटर लंबाई में फैले इस पुल के जून 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसमें पलाशबाड़ी को जोड़ने वाली 5.3 किलोमीटर की चार लेन की सड़क और शुवालकुची के लिए 2 किलोमीटर का मार्ग होगा,श। साथ ही शुवालकुची के उत्तर में आर्द्रभूमि की सुरक्षा के लिए एलिवेटेड सड़कें होंगी। उन्होंने कहा कि यह पुल ब्रह्मपुत्र के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के बीच संपर्क में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगा, जिससे गुवाहाटी विश्वविद्यालय, मेघालय में तुरा और ग्वालपाड़ा जैसे प्रमुख स्थानों तक पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने दोहराया कि हाजो, रामदिया और शुवालकुची जैसे क्षेत्रों में रसद चुनौतियों के कारण पहले बाधित सरकारी पहलों को अब लागू किया जा सकता है। उन्होंने पलाशबाड़ी में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के जारी निर्माणकार्य का भी उल्लेख किया, जो पुल के पूरा होने के बाद उत्तर असम में छात्रों के लिए संचार में सुधार करेगा। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के पदभार संभालने के बाद से हुई प्रगति की चर्चा करते हुए, डॉ शर्मा ने धौला-सदिया और बोगीबील पुलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोरहाट और माजुली को जोड़ने वाले एक पुल के चल रहे निर्माण का उल्लेख किया। साथ ही अगले साल 12,000 करोड़ रुपए के निवेश से गोहपुर और गोलाघाट के बीच एक प्रमुख सुरंग सड़क परियोजना शुरू करने की योजना बनाई। इसके अलावा, उन्होंने बाढ़ के दौरान काजीरंगा के वन्यजीवों की रक्षा के उद्देश्य से 32 किलोमीटर के एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना की घोषणा की, जिसकी अनुमानित लागत 8,000 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पलाशबाड़ी-शुवालकुची पुल का निर्माण तुरंत ही पूरे जोर-शोर से शुरू हो जाएगा। साथ ही फुलबाड़ी पुल का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने बराक घाटी में छह नए पुलों के प्रस्तावित निर्माण/चल रहे निर्माण की योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने इन महत्वपूर्ण प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के अथक प्रयासों को दिया और असम के सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पिछले दशक की उपलब्धियां इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे शांति और प्रगति एक साथ हो सकती हैं और भविष्य के लिए नए सपने और महत्वाकांक्षाएं पैदा कर सकती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर प्रगति के प्रतीक के रूप में असम की नई प्रतिष्ठा पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र में जीत इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे समुदाय के साथ सहकारी पहल से जीवन की गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सफलता नवनिर्वाचित विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है और दिखाती है कि कैसे परिश्रम और प्रतिबद्धता समुदाय के मूल ढांचे में विकास को समाहित कर सकती है। उन्होंने कहा कि भूमि की कमी अब बाधा नहीं रह गई है, इसलिए गुवाहाटी के पास जो परियोजनाएं लटकी हुई थीं, वे अब हाजो, बरखेत्री, पलाशबाड़ी, बोको और छयगांव में आगे बढ़ सकती हैं। पलाशबाड़ी-शुवालकुची पुल सामाजिक विकास की दिशा में सरकार की पहल में एक महत्वपूर्ण छलांग है, जिसे मुख्यमंत्री ने सामूहिक उपलब्धि बताया। आज के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पबित्र मार्घेरिटा, पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, सांसद भुवनेश्वर कलिता और विधायक दिगंत कलिता, हेमांग ठाकुरिया, नंदिता दास, लोक निर्माण (सड़क) विभाग के विशेष आयुक्त और विशेष सचिव चंदन शर्मा, कामरूप जिला आयुक्त देब कुमार मिश्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।

राज्य भाजपा मंडलों ...

हुए शर्मा ने कहा कि आज हमारे लिए खुशी का दिन है क्योंकि सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ यह कार्यालय भवन खुल गया है। हमारा लक्ष्य राज्य के सभी मंडलों में ऐसे कार्यालय बनाने का है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इनमें से अधिकांश संरचनाएं 2026 के राज्य चुनावों तक पूरी हो जाएंगी। ये स्थायी मंडल कार्यालय हमें लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेंगे और भविष्य में उनके साथ अधिक निकटता से काम करने में सक्षम बनाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा और पार्टी के उत्तर कामरूप अध्यक्ष सुबल पाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि आज मुख्यमंत्री ने कामरूप जिले में पलाशबाड़ी-शुआलकुची पुल परियोजना का शुभारंभ किया। ब्रह्मपुत्र पर 12.2 किलोमीटर लंबा यह पुल पलाशबाड़ी और शुआलकुची को जोड़ेगा, जिससे क्षेत्र में कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह परियोजना असम के बुनियादी ढांचे के विकास, परिवहन को बढ़ाने और राज्य के प्रमुख स्थानों के बीच संपर्क को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस पुल की आधारशिला 14 अप्रैल, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई थी, जिस पर 3190 करोड़ रुपए खर्च होंगे। शर्मा ने कहा कि आज हमने भूमि पूजन का आयोजन किया और पुल का निर्माण 2028 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

मणिपुर में हिंसा ...

तीन महिलाओं और बच्चों का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद मणिपुर में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। अब एक बार फिर उग्रवादियों की मंशा राज्य में हिंसा भड़काने की थी, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से अपहरण की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि पुलिस ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 9 एमएम पिस्तौल, सात कारतूस और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया। इस बीच, सुरक्षा बलों ने शनिवार को कांगपोकपी जिले के एल जंगनोमफाई इलाके में तलाशी अभियान चलाया और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया, जिसमें एक स्नाइपर राइफल, तीन पिस्तौल, एक .303 बोल्ट एक्शन राइफल, पांच हथगोले, पांच स्टारडाइन 90 विस्फोटक, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, कारतूस, पांच दंगा-रोधी गोले और एक रेडियो सेट शामिल हैं। इसके अलावा, उखरुल जिले के खमासोन रेंज में अवैध अफीम की खेती के आरोप में भी चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बयान में कहा है कि करीब 30 एकड़ में अफीम की खेती का पता चला है, गिरफ्तार लोगों के कब्जे से एक एयर गन और दो चाकू भी जब्त किए गए हैं।

मानस राष्ट्रीय उद्यान ...

लुभावने परिदृश्यों को देखने और पार्क में मौजूद विविध वन्यजीवों की झलक पाने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। कई पर्यटक और वन्यजीव उत्साही पार्क की विभिन्न श्रेणियों, जैसे बांसबाड़ी (कहितम), भुइयांपाड़ा, पानबाड़ी और कुकलुंग में उमड़ पड़े हैं। पर्यटन में यह लगातार वृद्धि इस क्षेत्र में इको-टूरिज्म की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। बांसबाड़ी रेंज के रेंजर बारिन बोरो ने आगंतुकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने पार्क के अनूठे आकर्षण का बखान किया, और अधिक लोगों को इसकी शांत सुंदरता का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उनसे अपनी यात्रा योजनाओं में मानस राष्ट्रीय उद्यान को शामिल करने का आग्रह किया। पार्क के राजस्व में वृद्धि के अलावा, पर्यटकों की बढ़ती संख्या संरक्षण प्रयासों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस सकारात्मक प्रवृत्ति से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और वन्यजीव संरक्षण पहलों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

डीवाईएफआई ने असम...

केंद्रित करने के बजाय गणित, सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स जैसे विषय शामिल हैं। संगठन ने इस बदलाव की आलोचना करते हुए कहा कि यह विशिष्ट विषयों को पढ़ाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव को कमजोर करता है। विवाद को और बढ़ाते हुए, पाठ्यक्रम में यह परिवर्तन ऐसे समय किया गया है जब परीक्षा में एक महीने से भी कम समय बचा है, जिससे अभ्यर्थियों के पास नए शुरू किए गए विषयों की तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा है। डीवाईएफआई ने दावा किया कि इस कदम से अभ्यर्थियों को अनावश्यक मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ेगा, जिनमें से कई अभ्यर्थी पहले के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर महीनों से तैयारी कर रहे थे। डीवाईएफआई ने आरोप लगाया कि इससे साबित होता है कि सरकार और शिक्षा विभाग सक्षम और जानकार शिक्षकों की भर्ती को प्राथमिकता देने की बजाय निहित स्वार्थों को पूरा करने में अधिक रुचि रखते हैं। संगठन ने आगे आरोप लगाया कि इस तरह के मनमाने फैसले शिक्षा विभाग के भीतर नियमों और प्रक्रियाओं की अवहेलना को उजागर करते हैं, जिससे भर्ती प्रक्रिया में बौद्धिक और विषय-विशेष योग्यता को दिए जाने वाले महत्व पर संदेह होता है। डीवाईएफआई ने नए पाठ्यक्रम को तत्काल वापस लेने की मांग की है और सरकार से भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और तनाव मुक्त तरीके से आयोजित करने का आग्रह किया है, जिसमें विषय विशेषज्ञता पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जॉर्ज सोरोस के साथ...

रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा की ओर से लिखा गया कि विशेष एफडीएल-एपी फाउंडेशन ने अपने विचार व्यक्त किए हैं कि कश्मीर को एक अलग इकाई के रूप में माना जाए। आगे पोस्ट में भाजपा की ओर से लिखा गया सोनिया गांधी और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में कश्मीर के विचार का समर्थन करने वाले संगठन के बीच यह जुड़ाव भारत के आंतरिक मामलों पर विदेशी संस्थाओं के प्रभाव और ऐसे संबंधों के राजनीतिक प्रभाव को बताता है। भाजपा के एक अलग पोस्ट में कहा गया कि राजीव गांधी फाउंडेशन की सोनिया गांधी की अध्यक्षता में जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ साझेदारी हुई, जिससे भारतीय संगठनों पर विदेशी फंडिंग का प्रभाव साफ होता है। एक अलग पोस्ट में भाजपा ने सांसद राहुल गांधी की तस्वीर को साझा किया। इस तस्वीर के साथ लिखा गया कि सोरोस द्वारा वित्त पोषित ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सलिल शेट्टी ने भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया था. यहां उन्हें किसी और के साथ नहीं बल्कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ देखा जा सकता है। भाजपा ने लिखा कि अडानी पर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का सीधा प्रसारण जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्तपोषित ओसीसीआरपी द्वारा किया गया, जिसका इस्तेमाल गांधी ने अडानी की आलोचना करने के लिए किया। यह उनके मजबूत और खतरनाक संबंधों के अलावा और कुछ नहीं दिखाता है और भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने के उनके प्रयासों को उजागर करता है। शीतकालीन सत्र के दौरान भी भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए आरोप लगाया था और कहा था कि कांग्रेस का हाथ सोरोस के साथ। भाजपा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी के अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से संबंध होने और उन पर देश की सरकार और संसद को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद संसद में हंगामा देखने को मिला था।

डब्ल्यूएचओ अलर्ट : दुनिया...

रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक जीन कासिया ने बताया कि बीमारी की पहचान और जांच में करीब पांच से छह सप्ताह की देरी हुई। हालांकि अब परीक्षण तेज कर दिए गए हैं, और जल्द ही संक्रमण की प्रकृति और फैलाव के तरीकों का पता लगने की उम्मीद है। नेशनल पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के महानिदेशक डायडोने मुंबा ने संदेह जताया है कि यह बीमारी हवा के जरिए फैल रही हो सकती है। फिलहाल मरीजों के नमूनों की गहन जांच की जा रही है। महामारी के प्रकोप को देखते हुए वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत में भी अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप देखने को मिला था, जिसे डब्ल्यूएचओ ने बाद में नियंत्रित कर लिया। लेकिन नए संक्रमण ने फिर से दुनिया को सतर्क कर दिया है। अफ्रीका में इस नए संक्रमण के मद्देनजर हांगकांग ने जोहान्सबर्ग और अदीस अबाबा से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग को बढ़ा दिया है। जापान के विदेश मंत्रालय ने भी अपने नागरिकों को इन क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबर रही दुनिया के लिए यह संक्रमण एक और चुनौती बन सकता है। संक्रमण को नियंत्रित करने और इसके कारणों का पता लगाने के लिए डब्ल्यूएचओ और वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों की त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

इंडिया गठबंधन का...

सहित इंडिया ब्लॉक के कोई वरिष्ठ नेता यदि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करते हैं, तो इस पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि नेता के चयन के बारे में कोई भी निर्णय आम सहमति से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी तक इंडिया ब्लॉक में मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है। सभी हितधारकों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए और इस पर चर्चा होनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि यदि ममता बनर्जी ब्लॉक का नेतृत्व करती हैं, तो उन्हें इस पर समस्या नहीं है, लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि भाजपा विरोधी गठबंधन में बहुत सारे वरिष्ठ राजनेता हैं। एक साथ बैठकर नेता चुनने पर सामूहिक निर्णय लेने की जरूरत है। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि इंडिया गठबंधन के नेता का चयन सामूहिक रूप से किया जाएगा। इंडिया गठबंधन में कई सहयोगी पार्टियां हैं। सभी पार्टियां आम सहमति से नेता का चयन करते हैं। दूसरी ओर, एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने ममता बनर्जी के इंडिया ब्लॉक को नेतृत्व करने वाले बयान का समर्थन किया था।

यूसीसी देश के ...

संभावित समाधानों पर भी विचार विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में वीएचपी ने अपने उद्देश्य के अनुसार हिंदू धर्म की रक्षा, समाज की सेवा और हिंदू समुदाय को एकजुट करने की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस साल सितंबर में, केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक ट्वीट किया था। इसमें दिल्ली में आयोजित वीएचपी के एक कार्यक्रम की तस्वीरें थीं। इस कार्यक्रम में कई रिटायरर्ड जज की उपस्थिति ने सोशल मीडिया पर एक बहस को जन्म दिया था। माना जा रहा है इस दौरान दिल्ली हाई कोर्ट के दो मौजूदा जज भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, हालांकि वीएचपी अध्यक्ष ने इस बात से इनकार किया था। कार्यक्रम में जस्टिस यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को भारतीय संविधान के अनुरूप एक आवश्यक कदम बताया और धर्म के नाम पर होने वाली सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए इसे लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारतीय पादरी को ...

बहुत खुशी और गर्व की बात है। परम पावन पोप फ्रांसिस द्वारा जॉर्ज जैकब कूवाकड को पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर प्रसन्न हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जॉर्ज कार्डिनल कूवाकड ने प्रभु ईसा मसीह के उत्साही अनुयायी के रूप में मानवता की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। वेटिकन में शनिवार को आयोजित एक भव्य सम्मेलन में, 51 वर्षीय कूवाकड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल के पद पर पदोन्नत किया गया था। प्रसिद्ध सेंट पीटर्स बेसिलिका में आयोजित समारोह में दुनिया भर के पादरियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न देशों के 21 नए कार्डिनलों को शामिल किया गया। समारोह रात साढ़े आठ बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू हुआ, जिसमें 21 नामित कार्डिनल के साथ जुलूस निकाला गया।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। भारत-म्यांमार के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बलों की तरफ से चलाए जा रहे सघन अभियान के दौरान व्यापक पैमाने पर हथियार और विस्फोटक बरामद किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में मणिपुर पुलिस ने रविवार को बताया कि सीमावर्ती कांगपोकपी जिले में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। तलाशी अभियान के दौरान एक 7.62 मिमी स्नाइपर राइफल, तीन पिस्तौल, एक .303 बोल्ट एक्शन राइफल, पांच 36 हैंड ग्रेनेड, पांच स्टारडाइन 90 विस्फोटक, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, दो 9 मिमी राउंड, पांच 7.62 मिमी राउंड, पांच .22 राउंड, चार 7.65 राउंड, तीन .303 राउंड, तीन आर्मिंग रिंग, एक रबर राउंड, एक मिनिफ्लेयर कार्ट्रिज, पांच दंगारोधी गोले और एक बाओफेंग रेडियो सेट एल जंगनोमफाई, कांगपोकपी जिले से बरामद किया गया। अभियान जारी है।

अस्पतालों और डॉक्टरों से बांग्लादेशी नागरिकों का इलाज नहीं करने की मांग

कछार (हिंस)। होटल और रेस्टोरेंट के बाद अब चिकित्सा क्षेत्र में भी बांग्लादेशी नागरिकों के इलाज का बहिष्कार करने की मांग जोर पकड़ रही है। सिलचर की एक स्वयंसेवी संस्था *जय राधे सेवा समिति* ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर राज्य के निजी अस्पतालों और डॉक्टर समुदाय से इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार अमानवीय हैं। देश में अल्पसंख्यक उत्पीड़न चरम सीमा पर पहुंच गया है। इसके साथ ही, वहां के तथाकथित बुद्धिजीवी, आंदोलनकारी और छात्र संगठन भारत

विरोधी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं। अंतरिम सरकार ने भी राजनयिक स्तर पर भारत विरोधी रुख अपनाए हुए हैं। यहां तक कि बांग्लादेश के विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक रूप से भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया जा रहा है। इन परिस्थितियों में अगर अगरतला, श्रीभूमि और सिलचर के होटलों और रेस्टोरेंटों में बांग्लादेशी नागरिकों का बहिष्कार किया जा सकता है, तो चिकित्सा क्षेत्र में भी ऐसा ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर महीने चिकित्सा सेवाओं के लिए असम में हजारों बांग्लादेशी नागरिक आते हैं। केवल सिलचर में ही हर महीने पांच हजार से 10 हजार बांग्लादेशी नागरिक इलाज कराने आते हैं। इससे राज्य के चिकित्सा संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। ऐसे में, राज्य के सभी निजी अस्पतालों और डॉक्टरों से बांग्लादेशी नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने से रोकने की मांग की गई है। संस्था ने राज्य के निजी अस्पताल प्रबंधन से इस दिशा में कदम उठाने का आह्वान किया है।

रंगिया में पुनः पॉस्को के तहत एक गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया में एक और खौफनाक घटना में एक मासुम बच्ची शिकार हो गई। 4 साल की एक फूल मासुम सी लड़की 40 साल के नरपिशाच की वासना का शिकार हुई है। बलात्कारी ने 4 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म करने की बात स्वयं कबूल की है। मृदुल अली नामक दरिंदे द्वारा यह हृदय विदारक कार्य किया गया है। इसका घर रंगिया के टिटकुरी नंबर 1 गांव में बताया गया है। इसी बीच मृदुल अली को रंगिया पुलिस ने पॉस्को एक्ट के तहत हिरासत में ले लिया तथा न्यायिक अदालत में हाजिर करवाया गया है। गौरतवब है कि इस तरह की घटना समाज को दुषित करने के साथ हर रिश्ते को तारतार करने के अलावा किसी पर भी विश्वास करने की प्रक्रिया को स्तब्ध करती है।

श्रीभूमि में बांग्लादेशी नागरिक को पकड़कर भेजा वापस

श्रीभूमि (हिंस)। रविवार को श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया और बाद में उसे बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सतर्कता दिखाते हुए की गई इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता दिखाते हुए, एक बांग्लादेशी नागरिक को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़ा गया और उसे सीमा पार वापस भेज दिया गया।

नगरड़ेबा : एपीएससी परीक्षा में अविनाश मेधी ने मारी बाजी

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा के एक मेधावी छात्र ने हाल ही में घोषित एपीएससी परीक्षा के परिणाम पास करके पूरे नगरबेड़ा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। नगरबेड़ा के अविनाश मेधी सहायक लेखा अधिकारी के रूप में एपीएससी परीक्षा परिणाम पास करने में कामयाब रहे हैं। अविनाश मेधी नगरबेरा पुखुरीपारा गांव के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक अमिअ कुमार मेधी और शिक्षक ज्योत्सना दास के बेटे हैं। अविनाश मेढ़ी की इस उपलब्धि को लेकर क्षेत्र के लोग उत्साहित हैं। गौरतलब है कि मेधावी छात्र ने गुवाहाटी स्थित शंकर अकादमी से 2013 में हायर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की और आर्य कॉलेज से स्नातक और कॉटन यूनिवर्सिटी से गणित में मास्टर डिग्री हासिल की।

आएलिता आर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल के तत्वावधान में चित्रांकन प्रतियोगिता का सफल समापन

गुवाहाटी। चित्रशिल्पी अनलज्योति दास मेमोरियल अखिल असम स्तर पर छहमाइल चचल स्थित नंदी मिकिर प्राथमिक विद्यालय में आएलिता आर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल के तत्वावधान में दिनभर के कार्यक्रम के साथ चित्रांकन प्रतियोगिचा आयोजित की गई। अनलज्योति दास की फोटो पर द्वीप प्रज्ज्वलित और स्मॉति तर्पण से प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों तक सीमित थी। प्रतियोगिता के क शाखा में आर्मी पब्लिक स्कूल नारंगी के ज्योतिमय मल्ल बुजरबरुवा ने पहला स्थान, असम जातीय विद्यालय की भुसांगी कलिता ने दूसरा स्थान और गुरुकुल ग्रामर स्कूल की करिश्मिता कलिता ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, जापरिगोग प्राइमरी स्कूल की प्रतिज्ञा भास्कर, श्रीमंत

शंकरदेव अकादमी की धिनाधवि बोरा और सेंट फ्रांसिस डी सेल्स स्कूल के हृदयनाथ मेधी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। ख शाखा में, पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः साउथ पॉइंट स्कूल के मानस प्रतिम डेका, गुरुकुल ग्राम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की एनी काश्यप, प्रागज्योतिष सेकेंडरी स्कूल की सृष्टि धर रही। श्रीमंत शंकर अकादमी के इहित कश्यप, नॉर्थ ईस्ट पब्लिक स्कूल की परिस्मिता डेका और आनंद अकादमी के महर्षि वैश्य ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। ग शाखा में केंद्रीय विद्यालय खानापाड़ा के रितुपर्ण रॉय ने पहला स्थान, दिसपुर कॉलेज के मानस प्रतिम तालुकदार ने दूसरा स्थान और गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज की दीक्षिता कश्यप ने तीसरा स्थान जीता। साथ ही सांत्वना पुरस्कार क्रमशः शिशु निकेतन के जुनैद अयूब, गुरुकुल ग्राम सेकेंडरी स्कूल के हिमांशु कश्यप और श्रीमंत शंकरदेव अकादमी के टबिन चौधरी को प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में विशिष्ट शिल्पकार रंजीत धर, लक्ष्यजीत बोरा और भैरव मेधी निर्णायक के रुप में उपस्थित थे। आनूर्विकआर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धनंजय तालुकदार की ओर कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ठ शिक्षाविद डिमरिया कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. महानंद बोरा, भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक खिलेश्वर बोरा, विशिष्ठ सामाजिक संगठक तपन डेका, नंदी मिकिर प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक अवनी शर्मा, दैनिक पूर्वोदय के स्टाफ रिपोर्टर संतोष दास, नरकासुर हाई स्कूल के शिक्षक कनक चंद्र शर्मा, प्रकृतिप्रेमी मंच असम के उपाध्यक्ष भूपेन दास, संयुक्त सचिव पार्थ प्रतिम गौतम, दिवंगत अनल दास के परिवार की ओर से जितू चौधरी, जयंत शर्मा, डॉ.हृदिप कुमार दास, अवकाशप्राप्त प्रदान शिक्षिका मोहिनी देवी, बड़ी बहन अजया दास, अमया दास आदि गणमान्य लोगों ने भाषण प्रदान किया। विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले प्रत्येक प्रतियोगी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका जोनाकी कलिता तालुकदार ने प्रतियोगी, निर्मायक मंडली, विशिष्ठ अतिथि आदि का कृतज्ञता प्रकट किया।

चिरांग ने पोलियो से निपटने के लिए उप राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का शुभारंभ किया

काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल कार्यक्रम लांच

विकसित भारत समाचार

चिरांग। चिरांग में उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एसएनआईडी) के जिला स्तरीय लांच का आधिकारिक उद्घाटन रविवार को चिरांग के जिला आयुक्त, एसीएस जतिन बोरा ने काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल में किया। कार्यक्रम में पोलियो के उन्मूलन में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया, जो एक रोकथाम योग्य बीमारी है जो कुछ क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी हुई है। लांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जिले में 0-5 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को जीवन रक्षक पोलियो वैक्सीन मिले। एसएनआईडी पहल सिदली और बल्लमगुड़ी ब्लॉकों में 24 क्षेत्रों में कुल 438 नामित टीकाकरण बूथों को कवर करेगी। ये बूथ स्कूलों, ट्रांजिट जोन, बाजारों, स्वास्थ्य संस्थानों और बस स्टॉप जैसे ज़्यादा भीड़-भाड़ वाले इलाकों में स्थापित किए गए हैं ताकि माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए पहुंच आसान हो सके। चिरांग में 0-5 साल की उम्र के लगभग 69, 000 बच्चों को पोलियो वैक्सीन देने की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने भी भाग लिया, जिनमें फिरदौस आलम शेख, एडीसी (स्वास्थ्य), डॉ. रेजाउल करीम, जेएसबी सिविल अस्पताल के अधीक्षक और संयुक्त जिला स्वास्थ्य सोसायटी प्रभारी, जिला नोडल अधिकारी और चिरांग के जिला टीकाकरण अधिकारी शामिल थे। अस्पताल के प्रतिनिधि और जिला स्वास्थ्य सोसायटी के अधिकारी भी कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए मौजूद थे।

अभाविप के 30वें राज्यिक अधिवेशन की तैयारी

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) अपने 30वें राज्यिक अधिवेशन की तैयारी कर रही है। परिषद तीन दिनों तक अपना अधिवेशन आयोजित करेगी। परिषद का अधिवेशन इस वर्ष लखीमपुर शहर के मणिकांचन सामान्य क्षेत्र (एटीएम ग्राउंड) में आयोजित किया जाएगा। महापुरुष माधवदेव की जन्मस्थली लखीमपुर में 27, 28 और 29 दिसंबर को सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में असम भर से करीब 12 सौ छात्र हिस्सा लेंगे। समिति ने असम राज्य पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन निगम लिमिटेड के अध्यक्ष देवानंद हजारिका को अपना अध्यक्ष और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय सचिव सीमांत दास को अपना महासचिव नियुक्त किया है। सम्मेलन में असम के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्ति भाग लेंगे और असम तथा पूरे भारत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, खुले सत्र और सांस्कृतिक जुलूस कार्यक्रम शामिल होंगे।

आरपीएफ ने नवंबर माह में 23 घुसपैठिए पकड़े 56 नाबालिग व चार महिलाओं को बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नवंबर माह में विभिन्न रेलवे स्टेशनों से अवैध रूप से भारत आने के आरोप में बांग्लादेश के नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा आरपीएफ ने इसी अवधि में विभिन्न स्टेशनों से 56 नाबालिग और 4 महिलाओं को बचाया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया कि आरपीएफ ने 1 से 30 नवंबर के दौरान चलाए गए विभिन्न अभियानों में अगरतला, जिरनीया और धर्मनगर रेलवे स्टेशनों पर बांग्लादेश के 23 नागरिकों को पकड़ा। यह लोग अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को धर्मनगर की आरपीएफ टीम और बीएसएफ/97 बीएन/शिपिनजुरी टीम ने संयुक्त रूप से धर्मनगर रेलवे स्टेशन पर एक अभियान के दौरान चार बांग्लादेशियों का पकड़ा था। पूछताछ के दौरान यह लोग कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। उन्होंने बताया क आरपीएफ ने नवंबर माह में विभिन्न स्टेशनों से 56 नाबालिग और 4 महिलाओं को बचाया। उन्होंने बताया कि स्टेशनों और ट्रेनों में तैनात आरपीएफ कर्मचारी सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध घुसपैठ के प्रति हमेशा सतर्क और सजग रहते हैं। आरपीएफ इसे रोकने के लिए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित जांच अभियान चलाती है। आरपीएफ रेल यात्रियों की सुरक्षा के हित में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने के साथ-साथ मानव तस्करी में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों, उचित अभिभावक के बिना यात्रा करने, अकेले यात्रा करने, संदिग्ध तरीके से बच्चों की आवाजाही आदि पर भी नजर रखती है।

एसएसबी ने पत्थरों से भरे दो डंपरों के साथ चार माफियों को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली की बीओपी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-169/4 से लगभग 10 किलोमीटर भारत की ओर कोरायबाड़ी के रायपुर क्षेत्र में गस्ती अभियान के दौरान पत्थरों से भरे दो डंपर के साथ 4 अवैध खनन माफियों को गिरफ्तार किए गए। जब्त किए गए खनन से भरे अवैध डंपर सहित चारों माफियों को वन विभाग शांतिपुर को अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपूर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय कार्यक्षेत्र में चौकसी के साथ गस्ती से तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

होजाई जिले में आगामी 14 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी

होजाई (निसं)। असम राज्य न्यायिक विधि प्राधिकरण के निर्देशानुसार होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण के सचिव द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत जिले में आगामी 14 दिसंबर (शनिवार) को श्रीमंत शंकरदेव नगर में आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय लोक आदालत में परिवहन दुर्घटना आरोप न्यायाधीकरण, विवाह से जुड़े विषय, चेक बाउंस, एनआई कानून विधि अंतर्गत अर्थ पुनरोद्धार शिकायत, श्रमिक विवाद, सार्वजनिक उपयोगिता मूलक विधि के संपर्क में, असम पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भारत संचार निगम लिमिटेड, बैंक से जुड़े विषय, अपराध मूलक मिश्रित शिकायतें आदि की सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण ने आम लोगों से राष्ट्रीय लोक अदालत में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

राज्य के कई साहित्यकार मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव-2024 से सम्मानित

विश्वनाथ (विभास)। देश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक विरासत मगध की भूमि राजगीर में अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और मगध साहित्य प्रेरणा मंच के तत्वावधान में वीरायतन राजगीर (नालंदा)के सभागार में 6 से 8 दिसंबर तक तीन दिवसीय मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में विदेश तथा देशभर के 18 प्रदेशों के प्राय: सौ साहित्यकारों के साथ असम के हिंदी सेवी तथा साहित्यकार संतोष कुमार महतो, मनीषा पाल और विनय कुमार बुद्ध को विविध अलंकारों से अलंकृत किया गया। यह सम्मान असम के साहित्यकार संतोष कुमार महतो, विनय कुमार बुद्ध और मनीषा पाल को मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव-2024 में कार्यक्रम में प्रदान किया गया। सर्वप्रथम विश्वनाथ के संतोष कुमार महतो तथा मनीषा पाल जी को *मगध साहित्य प्रेरणा सम्मान* और बंगाईगांव के विनय कुमार बुद्ध को *पुरातन नालंदा साहित्य प्रेरणा सम्मान* अलंकार से सम्मानित किया गया। गरिमामय कार्यक्रम में सम्मान के रूप में शाल तथा स्मृति चिह्न अर्पण किया गया। इन हिंदी सेवी व साहित्यकारों के नाम से भारत सरकार, डाक विभाग द्वारा जारी डाक टिकट का लोकार्पण किया गया। नवादा के माननीय सांसद विवेक ठाकुर ने अपने कर कमलों से डाक टिकट के फ्रेम से इन साहित्यकार को सम्मानित किया। सर्वप्रथम प्रथम दिन कवि ओमकार काश्यप के संचालित में उद्घाटन सत्र की उद्घाटन वीरायतन की माता ईशा ताई, साधना ताई द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर नवादा के वरिष्ठ मगध साहित्यकार रामरतन सिंह रत्नाकर, वरिष्ठ लघुकथा के हस्ताक्षर विभा रानी श्रीवास्तव, मुजफ्फरपुर से डॉ. उषाकिरण श्रीवास्तव, डॉ. शैल केजरीवाल, डॉ. शैल केजरीवाल, मुस्कान केशरी, देवेन्द्र सिंह, पटना और स्वदेश - विदेश से आए हुए सभी साहित्यकार मौजूद थे। इसके बाद सम्मेलन में शामिल 100 साहित्यकारों, कवि तथा लेखक के साथ विश्वनाथ के हिंदी प्रेमी श्यामानंद रौनियार को वीरायतन की माता ईशा ताई द्वारा उपाध्याय अमर मुनि की पुस्तक पण्या

समिक्खए धम्मं, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ताई से सभी साहित्यकार को उपहार एवं आशीष मिला। आयोजक ओंकार कश्यप ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। जानकारी के अनुसार अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और मगध साहित्य प्रेरणा मंच, हिसुआ के द्वारा राजगीर में मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। जहां भारत और नेपाल में साहित्य, शिक्षा व पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पड़ोसी देश नेपाल के अलावा देशके कई नामचीन साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद और पत्रकार शामिल हुए। गौरतलब है कि असम के इन साहित्यकार को साहित्य में बेहतर योगदान के लिए पहले भी कई बार सम्मानित हो चुके हैं। उपस्थित विद्वान ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजक मंडल के सदस्यों सहित कवि ओंकार कश्यप के धन्यवाद दिया। मगध की भूमि में यह आयोजन होता रहें, जिसकी बात स्वयं ताई ने कही। इधर देश भर तथा पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न स्वैच्छिक संस्थान तथा सरकारी संस्थान के विविध पद पर रहकर असम में हिंदी की सेवा करने वाले क्रमश: प्रचारक, कवि, लेखक के साथ विश्वनाथ के प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक (हिंदी) के पद पर संतोष कुमार महतो, विश्वनाथ चारिआलि सेंट जेवियर्स स्कूल के सहायक शिक्षिका के पद पर मनीषा पाल और भारतीय रेलवे में न्यूज बंगाईगांव में वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर विनय कुमार बुद्ध कार्यरत हैं। उन्हें यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दी गई।

संपादकीय

फडणवीस सत्ताधीश

आखिरकार अनिश्चय व अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं। हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलायी। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई-नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि फडणवीस सरकार में शामिल दो मराठा क्षत्रप शिंदे व पवार संकटमोचक की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे इस मुद्दे पर अदालत की भी बड़ी भूमिका होगी। फडणवीस सरकार के सामने चुनौती होगी कि हालिया विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर बतायी जा रही 'लाडकी बहिना' योजना के तहत बढ़ाकर दी जाने वाली बड़ी धनराशि के लिये वित्तीय संसाधन सरकार कैसे जुटाती है। चुनावी वायदे के अनुसार लक्षित महिला समूह को अब पंद्रह सौ के बजाय 2100 रुपये की राशि दी जानी है। वह भी तब जब राज्य के वित्तीय संसाधन सिमटे हैं।

> भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया।

महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग

> फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे।

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती। तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक

एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है। यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा। फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरुआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है।

दृष्टि कोण

घटक दलों से सामंजस्य की बनी रहेगी चुनौती

महाराष्ट्र में अपने विस्तार की इच्छा रखने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा के नतीजों के बाद देवेंद्र फडणवीस के नाम पर शीर्ष नेतृत्व की सहमति होना स्वाभाविक था। आखिरकार देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में कुर्सियां बदल गई। हालांकि, प्रचंड बहुमत के बाद महायुति की राज्य सरकार जिस सहजता से बन जानी चाहिए थी उसमें एकनाथ शिंदे को सहमत कराने में 11 दिन लग गए। महायुति के प्रचंड बहुमत का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को मिला। उन्होंने हर मोड़ पर शीर्ष नेतृत्व का भी भरोसा जीता। लोकसभा के परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव महायुति के लिए काफी कठिन माना जा रहा था। महाविकास अघाड़ी से अकेले ढाई गुना सीट मिलने पर आभास हो गया था अब बीजेपी नेतृत्व अपने पास ही रखेगी। केवल जातीय समीकरणों की बिसात पर अगर मराठा नेता को नेतृत्व सौंपने की जरूरत होती तब फैसला बदल सकता था। इसके साथ ही यह संदेश दिया है कि पार्टी अपने लक्ष्यों को भूली नहीं है। लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र पर फोकस कर दिया था। निश्चित आरएसएस भी महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ। सीटों के समीकरणों के साथ कार्यकर्ताओं को धरातल पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। सहयोगी दलों के साथ अधिकतम सहमति के सिद्धांत पर काम किया गया। बीजेपी ने जिस सनातन के पहलू पर अपना फोकस किया राज्य में उसकी सबसे बड़ी आवाज देवेंद्र फडणवीस ही बने। बेशक रणनीतियों पर मुहर शीर्ष स्तर पर लगी हो लेकिन इसके सूत्रधार देवेंद्र फडणवीस ही रहे। एनडीए की सफलता में लाड़की बहन योजना, वोट का धुव्रीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने की असली जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस को ही सौंपी गई थी। देवेंद्र फडणवीस के सामने कई अलग ढंग की चुनौतियां भी थी। मराठा आरक्षण की सियासत में एनसीपी नेता शरद पवार अगर किसी को उलझाना चाहते थे तो वह देवेंद्र फडणवीस ही थे। बेशक राज्य में एनडीए सरकार ने मराठा आरक्षण के मसले को सुझलाने के लिए अपने स्तर पर पहल कर दी थी। लेकिन मराठा आंदोलन में कुछ ऐसे जटिल पेंच कसे गए थे कि महाराष्ट्र विदर्भ के इस नेता के लिए यह चक्रव्यूह बन सकता था। देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर सधे हुए राजनेता की तरह कदम बढाए। 2014 में पहली बार सत्ता मिली तो उसे बेहतर ढंग चलाने की कोशिश की। महाराष्ट्र के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर सरकार से दूर हुए तो विपक्ष के तेजतर्रार नेता के बतौर अपनी छवि को सामने रखा। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बनने को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रही। देवेंद्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपरीत खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक धुरी बने रहते हैं। ऐसे में मराठा नेता शरद पवार के सामने बीजेपी का कोई नेता दमखम से सामने आ सकता था तो प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के बाद देवेंद्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। राज्य में नेतृत्व के लिए चंद्रशेखर बावनकुले, विनोद तावड़े चंद्रकांता पाटिल और मुरलीधर मोहोल के नामों की भी चर्चा अलग अलग तरह से चली। लेकिन बीजेपी और संघ ने कई पहलुओं को देखते हुए आखिर देवेंद्र फडणवीस पर ही सहमति बनाई। महायुति के सामने महाविकास अघाड़ी के आकड़े भले ही झूल रहे हों लेकिन यह लड़ाई का अंत नहीं है। सही मायनों में शिवसेना बीजेपी के 1988 में एक मंच पर आने के बाद बीजेपी ने 2014 में एक मुकाम हासिल किया।

कुछ अलग

स्वदेशी ज्ञान को मान

परतंत्रता वक्त के थपेड़ों व कालांतर बाजार के गहरे दखल से भले ही भारत का प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, लेकिन पिछले एक दशक के राजाश्रय में इसकी देश-विदेश में प्रतिष्ठा स्थापित हुई। भारत में अथाह गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। यह सुखद ही है कि एक दशक पूर्व राजग सरकार ने जिस आयुष मंत्रालय की स्थापना करके इस दिशा में जो रचनात्मक पहल की थी, उसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उसके चलते भारत ही नहीं, विदेशों में भी हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। ये एक बहुत उत्साहजनक आंकड़ा है। इतना ही नहीं आयुष बाजार का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित उन्नति की है। ऐसे में यदि विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता का कल्याण ही होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि आयुष बाजार के विस्तार से जहां सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है, वहीं इससे रोजगार व उद्यमिता को भी संबल मिला है। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली है। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व आस्ट्रेलिया आदि में योग के सामान से जुड़ा कारोबार ज्यादा ऊंचाइयां छू रहा है। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। उनका आधार वैज्ञानिक प्रमाण हों। इससे भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के जरिये वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेगा। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। साथ ही यह भी कि हमारे विचार, खानपान और प्रकृति का सान्निध्य जीवन को स्वस्थ बनाने में मददगार होता है। जिसका मूल आधार हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होता है।

देश दुनीया से

रोगी की जांच-उपचार में कारगर एआई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक डिजिटल कंप्यूटर या रोबोट की वह क्षमता है जो आम तौर पर मनुष्यों के क्रियाकलाप से जुड़ी है, जैसे कि तर्क करना, सामान्यीकरण करने या पिछले अनुभव से सीखने की क्षमता। एआई विशाल मात्रा में डेटा को खंगालकर एल्गोरिदम लक्षणों की पहचान कर सकता है और अभूतपूर्व सटीकता और गति के साथ चिकित्सा परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है। यह चिकित्सकों की इलाज दक्षता को बेहतर बनाने और दुनिया में अत्यधिक दबाव के तले काम कर रही स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में रोगी को मिलने वाले परिणामों में सुधार कर पाएगा। विश्व आर्थिक मंच की डिजिटल हेल्थकेयर परिवर्तन पहल ने हाल ही में स्वास्थ्य सेवा को दरपेश तीन सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां – पुरानी बीमारियों का बढ़ता बोझ, दुनिया भर में रोगी के ठीक होने की असमान दर और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच एवं संसाधन की कमी से निपटने के संभावित तरीकों में एआई को बतौर एक विधा मान्यता दी है। इसके एक बार आकार लेने के बाद, भारत सरकार का राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन इस पहल के साथ जुड़ जाएगा। स्वास्थ्य सेवा में एआई का उपयोग औद्योगिक एआई से उपजा है, जिसकी उत्पत्ति 1950 के दशक में हुई थी। जॉन मैकार्थी ने 1956 में डार्टमाउथ सम्मेलन में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' शब्द गढ़ा था। वर्ष 1970 के दशक में पहला आर्टिफिशियल मेडिकल कंसल्टेंट इंटरनिस्ट-1 बनने के साथ, एआई काबिलियत वाला सर्वप्रथम चिकित्सा परामर्शदाता नमूना पेश किया गया था। इसने रोगियों के लक्षणों के आधार पर, सर्च एलोरिदम का उपयोग करके क्लिनिकल जांच का निष्कर्ष सुझाया। एआई का आधुनिक युग 2000 के दशक की शुरुआत में वॉयस रिकॉग्निशन फीचर के निर्माण के साथ शुरू हुआ, इसके बाद आईबीएम ने वॉटसन नामक एक प्रश्न-उत्तर प्रणाली और फिर 2020 में जीपीटी मॉडल लॉन्च किए। कंप्यूटिंग शक्ति में गुणात्मक सुधार, तेज़ डेटा संग्रहण एवं डेटा प्रोसेसिंग, जीनोमिक सिक्वेंसिंग डेटाबेस का विकास और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) सिस्टम के व्यापक इस्तेमाल होने ने स्वास्थ्य सेवा में एआईके विकास में योगदान दिया। वर्तमान में, एआई में मशीन-लर्निंग, डीप-लर्निंग, नेचुरल लैंग्युएज प्रोसेस और कंप्यूटर विज़न जैसी तकनीक और लार्ज लैंग्युएज मॉडल (एलएलएम) जैसे एल्गोरिदम शामिल हैं जो नए कंटेंट को समझने, सारांश देने, नया कंटेंट बनाने और भविष्यवाणी करने के लिए विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं। एआई का व्यापक रूप से परीक्षण किया गया है। एक्स-रे और फोटोग्राफी जैसी चिकित्सा इमेजिंग में इसके उपयोग की काफी संभावना और इसने मधुमेह रेटिनोपैथी, त्वचा कैंसर और फेफड़ों के तपेदिक जैसे लक्षणों की शिनाख्त करने में काफी बढ़िया कर दिखाया है। अल्ज़ाइमर रोग की भविष्यवाणी और निदान करने में सक्षम मशीन मॉडल पेश किया गया है। कैंसर की पहचान, जोखिम स्तर कब बनेगा, दवा की खोज करने और मॉलीकुलर कैरेक्टराइज़ेशन के लिए एआई उपयोगिता पर काम चल रहा है। व्यावसायिक रूप से उपलब्ध एंडोस्कोप के उपयोग करते हुए एकीकृत प्रणाली में एआई बायोप्सी सैंपल लेने के लिए सबसे संभावित संदिग्ध बिंदु सुझा सकता है, यहां तक कि इसके कैंसर होने की संभावना के बारे में भी अनुमान दे सकती है। एआई का उपयोग रोगी की हालत के हिसाब से या सटीकता के साथ दवा बताने के लिए किया जा सकता है, यह समय-दक्ष विश्लेषण का उपयोग करते हुए प्रत्येक रोगी के लिए सटीक रूप से भविष्यवाणी कर सकता है, उसकी आनुवंशिकी, मॉलिक्यूरल और ट्यूमर-आधारित प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर कौन-सी उपचार विधि सबसे उपयुक्त रहेगी, यह सुझा सकता है। टेलीमेडिसिन का उपयोग करके दूर-दराज इलाकों के मरीजों की ईसीजी रिपोर्ट, एक्स-रे या स्कैन का ऑनलाइन विश्लेषण करने के बाद इलाज संबंधी परामर्श दिया जाता है। एआई एल्गोरिदम मस्तिष्क आघात, इंट्राक्रैनील हैमरेज और पल्मनरी एम्बॉलिस्म जैसे लक्षणों की पहचान में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शरीर पर धारण किए जाने वाले उपकरण, स्मार्टफोन और इंटरनेट-आधारित तकनीकों का उपयोग रोगियों के हृदय संबंधी डेटा की निगरानी के लिए किया जा सकता है, जिससे हृदय संबंधी खतरे का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है। वर्चुअल असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी के उपयोग के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई की भूमिका बढ़ रही है। रोग पहचान हेतु परीक्षण, दवा खोज और दवा-दवा के बीच सामंजस्यपूर्ण या फिर प्रतिकूल प्रभावों की भविष्यवाणी करने में एआई का उपयोग पहले से हो रहा है। एआई के कुछ आगामी अनुप्रयोगों में, गूगल की स्वास्थ्य एलएलएम सुविधा शामिल है, जो उपयोगकर्ताओं को उनकी नींद की अवधि, व्यायाम की तीव्रता और हृदय गति की परिवर्तनशीलता आदि के आधार पर व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श संदेश देगा। अन्य विकास खोज क्रम में, आईबीएम का वाटसन ऑनकोलॉजी, गूगल का डीपमाइंड प्लेटफ़ॉर्म और माइक्रोसॉफ्ट का हैनोवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में मेडसोल एआई सॉल्यूशंस नामक एक कंपनी ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक अत्याधुनिक, वाई-फाई-सक्षम अल्ट्रासाउंड जांच विकसित की है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवा में जेनरेटिव एआई का उपयोग करने में एक बड़ी चिंता 'मानव स्पर्श' और सहानुभूति की अनुपस्थिति है। दूसरी बड़ी समस्या है विश्वसनीय डेटा की अनुपलब्धता। इसके प्रभावी उपयोग के लिए भारी मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जो कि विभिन्न जातीय समूहों और अल्पसंख्यकों या वे समुदाय जिन का प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है, उनके प्रति पूर्वाग्रहों के कारण विश्लेषण त्रुटिपूर्ण हो सकता है। वर्तमान में, अधिकांश एआई एल्गोरिदम श्वेत पुरुष के डेटा पर आधारित हैं। फिर, रोगी की गोपनीयता और डेटा बेचने को लेकर भी चिंता है। एल्गोरिदम का सही काम न करना या इलाज की गलत दिशा बता देना या फिर पारदर्शिता में कमी या सही व्याख्या न कर पाने वाली कमी और 'ब्लैक बॉक्स' स्थिति जैसी अन्य समस्याएं हैं। साथ ही, जीनोमिक जानकारी एकत्र करने में नैतिकता बरतना और एआई को आईटी तंत्र के साथ एकीकृत करना, चिकित्सक का विश्वास हासिल करना और सरकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने संबंधी चिंताएं हैं। भारत में एआई उपयोग की अपार संभावनाएं हैं। पोषण, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित जनशक्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं में घोर असमानताओं वाले परिदृश्य में यह एक वरदान हो सकती है।

आप का नजरीया

अरावली की बलि

उस खबर ने हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित किया है कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थितिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत श्रृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे-भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव-जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था।

धर्म परिवर्तन रोकने के लिए उठाने होंगे जरूरी कदम

भीलवाड़ा (हिंस)। वनवासी कल्याण परिषद जिला शाखा शाहपुरा की ओर से रविवार को आदर्श विद्या मंदिर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शाहपुरा के प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया। संगोष्ठी का आयोजन प्रदेश नगरीय कार्य प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल भीलवाड़ा की अध्यक्षता में किया गया। भीलवाड़ा जिला वनवासी अध्यक्ष दिवाकर जावा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संयोजक सत्यप्रकाश काबरा के सानिध्य में आयोजित बैठक के दौरान वनवासी लोगों के धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों के बारे में चर्चा की गई तथा आवश्यक सुझाव दिए गए। वक्ताओं ने सनातन धर्म को बचाने के लिए समाज में विशेष जागृति लाने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी के दौरान अगले सप्ताह में दोबारा बैठक आयोजित कर वनवासी कल्याण परिषद की शाहपुरा शाखा का औपचारिक गठन कर कार्यकारिणी गठित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा प्रमुख रूप से बप्पा रावल सदस्यता अभियान, वन मित्र अभियान, और संगठन के प्रकल्पों और क्षेत्र में गतिविधि को बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता प्रदेश नगरीय कार्य प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राजस्थान में वनवासी कल्याण

परिषद की सक्रियता से ईसाई मिशनरीज का काम धीमा पड़ा है पर उनके द्वारा किए जाने वाले धर्मांतरण को पूर्ण रूप से रोकना जरूरी है। परिषद इस कार्य को विस्तारित करते हुए शहरी क्षेत्रों में परिषद का गठन कर वहां के लोगों के सहयोग से वनवासी क्षेत्रों में अपना कार्य विस्तार करने की योजना पर काम कर रहे है। सभी के सहयोग से सफलता मिलेगी। वनवासियों में धर्मांतरण, धर्म की हानि को रोकने के साथ उनमें आत्मविश्वास कायम कर राष्ट्र की मुख्य धारा में लाना ही परिषद का ध्येय है। अग्रवाल ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम अखिल भारतीय स्तर पर जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास में 1952 से लगा हुआ है। इसके लिए माध्यम शिक्षा, चिकित्सा, श्रद्धा जागरण, खेल केंद्र, छात्रावास, सिलाई केंद्र, बाल संस्कार केंद्र आदि कार्य कर रहे है। वनवासी कल्याण परिषद की स्थापना 1952 में जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए की गई। इसमें अनेक प्रकार के आयाम जैसे शिक्षा के क्षेत्र में छात्रावास, खेलकूद, लोककला, हित रक्षा, श्रद्धा जागरण, महिला कार्य आदि गतिविधियां की जाती हैं। अग्रवाल ने परिषद की गति विधियों व जंगलो और पहाड़ों पर रहने वाले हिंदुओं की शिक्षा, चिकित्सा व वनवासी उत्थान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से 12 करोड़ हिंदू वनवासियो का सामाजिक उत्थान व धार्मिक उत्थान कैसे हो, उस पर विस्तार से चर्चा की एवं अब तक परिषद द्वारा किए गए उनके विकास की पूर्ण जान कारी का वर्णन प्रस्तुत किया। अग्रवाल ने सनातन से वंचित सारे वनवासियो को धर्म परिवर्तन से कैसे रोका जावे, उसके लिए हम सभी सनातनियों को उनके लिए किसी न किसी रूप मे सहयोग किया जाना हमारे फर्ज को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म का बहुत बड़ा हिस्सा आज भी सारी सुख सुविधाओ से वंचित है, जिस के लिए हम सभी को आगे आना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि समाज के युवाओं को आगे आना चाहिए। जल, जंगल व जमीन से आत्मीयता रखने वाले वनवासियों की आवाज बने। यह संगठन जनजातियों के हितों का संरक्षण सांस्कृतिक उन्नायन व स्वावलंबी बनाने में निरंतर जुटा हुआ है। बैठक में पवन बांगड़ ने शाहपुरा क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से वनवासी कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने स्वप्रेरणा से परिषद के कार्यो में लोगों से आगे आने का आह्वान किया।

बॉर्डर पर खड़े बीएसएफ जवानों पर किसी को सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं : अमित शाह

बीएसएफ के स्थापना दिवस समारोह में अमित शाह ने परेड का निरीक्षण किया

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बीएसएफ के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि सीमा सुरक्षा बल *फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस* के नाम से जानी जाती है। इन्हीं के भरोसे अजेय भारत का विश्वास 140 करोड़ भारतवासियों के दिलों में पैदा हुआ है। इसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े हुए बीएसएफ जवानों को जाता है और किसी को इन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सीमा से जब भी कोई अप्रिय घटना की सूचना आती है तो गृह मंत्री को जरा भी चिंता नहीं होती। यही भरोसा रहता है कि हमारे बीएसएफ के जवान निपट लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस (राइजिंग डे) परेड में शामिल हुए। उन्होंने परेड

का निरीक्षण किया। गृह मंत्री को सुबह बीएसएफ की जीप में एसटीसी स्थित परेड ग्राउंड के मुख्य मंच तक लाया गया। गृह मंत्री ने कहा कि जवान अपने जीवन का स्वर्णकाल माइनस 43 डिग्री के तापमान से लेकर प्लस 43 डिग्री टेम्प्रेचर तक के वातावरण में बिताता है। बीएसएफ में कांप्रिहेंसिव इंट्रीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में धुबरी (असम) में शुरू किया है। इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की बॉर्डर पर लगाया जाएगा। बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़ी राशि दी जा रही है। शाह ने कहा कि 2024 में बीएसएफ ने जाली मुद्रा, नारकोटिक्स, घुसपैठ और वामपंथी उग्रवाद के सामने लड़ने का रिकॉर्ड बनाया है।

सप्त शक्ति कमान द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान में *ऑनर रन* का आयोजन

जयपुर (हिंस)। सप्त शक्ति कमान द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान में *ऑनर रन* का आयोजन रविवार को जयपुर में किया गया। यह दौड़ भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान, नि:स्वार्थ सेवा और देशभक्ति की भावना के उपलक्ष में आयोजित की गई। पीआरओ (रक्षा) जयपुर (राजस्थान) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार यह दौड़ अल्बर्ट हॉल से शुरू हुई। इस दौड़ में भूतपूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट, सैनिक, पेशेवर धावक, पैरा एथलीट, आमजन, दिव्यांग बच्चे और अंग प्रत्यारोपण किए हुए लोग शामिल थे, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से सभी को प्रेरित किया तथा बढ़-चढ़कर इस दौड़ में हिस्सा लिया। विभिन्न श्रेणियों की दौड़ का शुभारम्भ सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, बरिंदर जीत कौर, क्षेत्रीय आवा अध्यक्षा, लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वांद्रा, चीफ ऑफ स्टाफ, सप्त शक्ति कमान और संदीप भटनागर, चीफ जनरल मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने फ्लेग ऑफ करके किया। कर्नल राठौड ने प्रतिभागियों की अपने वीर सेनानियों के प्रति समर्पण की भावना की सराहना की। एशियाई मैराथन चैंपियन सुनीता गोदारा, संगीता बिश्नोई और पैरा-एथलीट कर्नल अनुज बिंद्रा जैसे ब्रांड एंबेसडर की उपस्थिति ने प्रतिभागियों को और अधिक प्रेरित किया।

गांवों व किसानों को समृद्ध करना जरूरी : गडकरी

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश की तरक्की के लिए गांवों के किसान-मजदूरों को समृद्ध करना जरूरी है। हमारे देश की उन्नति में 12 से 14 प्रतिशत उन्नति खेतीबाड़ी व सहयोगी इंडस्ट्री से आती है। नितिन गडकरी पंजाब के अमृतसर में सहकार भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देशभर से आए हुए प्रतिनिधियों को रविवार संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 22 से 24 फीसदी ग्रोथ मैन्युफैक्चर और 52 से 54 प्रतिशत ग्रोथ सर्विस सेक्टर से आती थी। स्वाधीनता आंदोलन की शुरुआत में 90 फीसदी आबादी गांवों में रहती थी, लेकिन अब गांवों में लोग नहीं रह रहे हैं। 30 फीसदी आबादी गांवों से निकल कर बड़े शहरों में चली गई है। अमृतसर में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष

दीनानाथ ठाकुर और राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. उदय जोशी की अध्यक्षता में आयोजित अधिवेशन में नितिन गडकरी ने कहा कि बड़े शहरों में लोग झोपड़-पट्टी में रह रहे हैं। वह मजबूरी में शहरों में गए, क्योंकि वहां अच्छे घर व सुविधाएं नहीं थी। हमारे किसान व मजदूरों की हालत अच्छी नहीं है। अगर आज हमें आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है तो गांव, गरीब, किसान, मजदूर और को ग्रामीण व कृषि एवं जंगल के क्षेत्र को समृद्ध करना होगा। गडकरी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीक आ रही हैं। अगर गांवों का उद्धार करना है तो सहकार क्षेत्र की प्रथमिकता में किसानों को रखें। यह कठिन है, लेकिन असंभव नहीं है। हमारा किसान अब अन्नदाता नहीं है, वह ऊर्जा दाता हो गया है, ईंधन दाता है। ग्रीन ऊर्जा आधारित तकनीक को बढ़ावा देने की वकालत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब सीएनजी में बसें आ रही हैं और ट्रैक्टर भी आ रहे हैं। इलेक्ट्रिक पर चलने वाला, सीएनजी पर चलने वाला और इथेनॉल पर चलने वाला ट्रैक्टर आ रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सीएनजी पर चलने वाला ट्रैक्टर लांच किया है, जिसमें पेट्रोल का खर्च आधे से भी कम हो गया है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर लांच किया जाएगा। सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ने कहा कि 2021 में जब सहकारिता मंत्रालय की स्थापना हुई तो देश में सहकारिता के प्रति एक नई चेतना का निर्माण हुआ। हम सभी को इस बात के लिए गौरवान्वित होना चाहिए कि इसके लिए सबसे अधिक योगदान सहकार भारती का रहा है। यहां तीन दिवसीय अधिवेशन में सहकार भारती के आगामी तीन वर्ष की कार्य योजना पर मंथन हुआ।

कोर्ट ने सुखबीर के हमलावर को तीन दिन के लिए फिर रिमांड पर दिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने वाले नारायण सिंह चौड़ा को अमृतसर की कोर्ट ने फिर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर दिया है। पुलिस आरोपी चौड़ा के कुछ हथियार की बरामदगी के लिए उसे उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी ले जाएगी। दरअसल, 4 दिसंबर को दरबार साहिब के गेट पर सेवादार का चोला पहनकर बैठे सुखबीर सिंह बादल पर नारायण सिंह चौड़ा ने फायरिंग कर दी थी। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। प्रथम रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद नारायण सिंह चौड़ा को रविवार को अमृतसर की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पुलिस ने आरोपी को 10 दिन के रिमांड की मांगी। पुलिस ने कोर्ट में बताया कि चौड़ा की तरफ से माना गया है कि कुछ हथियार उन्होंने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में रखे हैं। जिन्हें रिकवर करवाने की जरूरत है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी को फिर तीन दिन का रिमांड दिया। इस मामले में पुलिस नारायण सिंह चौड़ा के दोनों बेटों जगजीत सिंह बाजवा और बलजिंदर सिंह बाजवा से भी घंटों पूछताछ कर चुकी है।

कुलदीप बिश्नोई ने छोड़ा अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा का संरक्षक पद

हिसार (हिंस)। भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने रविवार को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने मुकाम पीठाधीश्वर स्वामी रामानंद को अपना त्यागपत्र भेजते हुए उन्हें ही संरक्षक नियुक्त किया है। यही नहीं, कुलदीप ने महासभा के आगामी चुनाव के लिए 29 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो महासभा के चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन करेगी। पिछले कुछ समय से अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक कुलदीप बिश्नोई व महासभा के अध्यक्ष रहे देवेन्द्र बुड़िया के बीच तनातनी चल रही थी। तनातनी के बाद पहले कुलदीप ने संरक्षक के तौर पर प्रधान को पद से हटाया तो अगले दिन प्रधान ने पत्र जारी करके संरक्षक को पद से हटाने की घोषणा कर दी। इसके चलते समाज में दो गुट बन गए थे जिसके चलते कुलदीप ने अब खुद ही यह पद छोड़ दिया है। रविवार को महासभा संरक्षक पद से त्यागपत्र देते हुए कुलदीप ने इसकके पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री की खड़ी गाड़ी पर हमला

गुरुग्राम (हिंस)। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विरेन्द्र यादव चेयरमैन की खड़ी गाड़ी पर हमला बोल दिया गया। उनकी इनोवा कार के सभी शीशे चकनाचूर कर दिए। शनिवार देर रात हुई इस घटना पर महामंत्री विरेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा राज में भी भाजपा के कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं हैं। उनकी गाड़ी पर हुए हमले से दहशत का माहौल बना हुआ है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विरेंद्र यादव चेयरमैन ने बताया किउन्होंने कुछ दिन पहले पवन गुर्जर सुपुत्र ज्ञानेंद्र द्वारा अवैध शराब बेचने, अवैध डेयरी संचालन, गायों का दूध निकालकर गलियों में आवारा छोड़ने के खिलाफ शिकायत की थी। विरेंद्र यादव ने अवैध डेयरी संचालन और दूध निकालकर गोवंश को सड़कों पर छोड़ने वालों से नगर निगम की मिलीभगत बताया। उन्होंने कहा कि इसी के चलते उनकी गाड़ी पर हमला किया गया। डेरी संचालन करने वाले पहले भी जान से मारने की धमकी दे चुके है। उन्होंने इस घटना की शिकायत पुलिस को भी दी। आरोपियों को 24 घंटे में भी पुलिस पता नहीं लगा पाई। इससे कृष्ण नगर कालोनी में डर व भय का माहौल है। विरेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार शहरी क्षेत्रों की गलियों और सड़कों पर बेसहारा गोवंश नजर नहीं आने चाहिए। फिर भी गुरुग्राम नगर निगम के क्षेत्रों में बेसहारा गाय घूमती नजर आती हैं। नगर निगम कमिश्नर बदलने पर भी कोई सुधार नहीं हो रहा। इस घटना को लेकर कृष्ण नगर के निवासी मंत्री राव नरबीर ङ्क्षसह से मिले। उन्होंने पुलिस को जल्द से जल्द बदमाशों को पकड़ने के आदेश दिए। साथ ही डेयरी की समस्या के समाधान का भी आश्वासन दिया।

सांसद की शिकायत पर मुख्य सचिव को राष्ट्रीय अजजा आयोग का समन

उदयपुर (हिंस)। रावत उपनाम की जातिसूचक व्याख्या कर अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक हक छीनते हुए भीलों, भील-मीणा को जबरन अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में दर्ज करने को लेकर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत द्वारा की गई शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने राजस्थान के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर इस संबंध में कार्रवाइयों को लेकर 15 दिन में जवाब मांगा है। आयोग ने उदयपुर जिला कलेक्टर से भी इस संबंध में जवाब तलब किया है। सांसद रावत ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष को लिखे पत्र में बताया था कि भीलों को जबरन ओबीसी वर्ग की श्रेणी में दर्ज करने का गोरखधंधा कई सालों से किया जा रहा है, जिसमें जनजाति समाज के भोले भाले लोगों की जमीनें हड़पीं जा रही हैं। कांग्रेस कार्यकाल में इसको संवैधानिक बनाने के लिए आदेश भी जारी कर दिए गए जो कि पूर्णतया गलत है। केवल अनुसूचित जनजाति की संपत्ति हड़पने के इरादे से ये कृत्य किए गए। सांसद रावत ने बताया कि राजस्थान सरकार का एक परिपत्र संख्या प. 5/8/राज-4/83/राज-6/15 दिनांक 1 नवंबर 1996 इस प्रकार जारी किया गया कि भू-अभिलेख रिकॉर्ड में मीणा जाति शब्द के स्थान पर जबरन रावत जाति शब्द लिखाया जाकर अनुसूचित जनजाति के हजारों सदस्यों को अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में डाल दिया गया, जिससे इन लोगों को आरक्षण सहित कृषि भूमि सम्बन्धी वैधानिक सुरक्षा को भी भारी हानि पहुंचाई गई। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दबाव में जिला कलेक्टर उदयपुर द्वारा आदेश क्रमांक एफ 12/7/1/राज/97/4236-52 दिनांक 11 सितंबर 2000 द्वारा रावत उपनाम वाले भीलों के भू-अभिलेख में रावत अन्य पिछड़ा वर्ग दर्ज करने के लिए अभियान के तौर पर निपटाने के निर्देश भी दिये जो इस षड्यंत्र का स्पष्ट खुलासा करता है।

किसानों को दिल्ली जाने से रोकना प्रजातांत्रिक विरोधी कदम : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

रोहतक (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकना बीजेपी का प्रजातंत्र विरोधी कदम है। किसान की आवाज दबाने की बजाय सरकार को बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को एमएसपी देने का अपना वायदा पूरा करे। पूर्व सीएम हुड्डा रविवार को रोहतक पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरक्त की। बाद में डी-पार्क स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बीजेपी किसानों को बिजाई के समय डीएपी, सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एमएसपी देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पड़ता है, लेकिन सरकार किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुए सरकार ने एमएसपी के लिए बाकायदा एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था, लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वह सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। हुड्डा ने कहा कि सभी को प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी

बात कहने का अधिकार है, लेकिन बीजेपी सरकार किसानों से यह अधिकार छीनना चाहती है। जबकि किसानों ने सरकार के बात मानते हुए बिना ट्रैक्टर-ट्राली के दिल्ली जाने की बात मान ली है। ऐसे में उनको रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात कहती है, जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती ही नहीं है। और जो फसलें होती हैं, उन पर किसानों को कभी एमएसपी नहीं मिलती। धान का उदाहरण सभी के सामने है। चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने किसानों को 3100रु धान का रेट देने का ऐलान किया था, लेकिन चुनाव के बाद सरकार अपने वादे को भूल गई और किसानों को एमएसपी तक नहीं मिल पाई। निकाय चुनावों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही उन्होंने बढ़ते अपराध पर भी चिंता जाहिर की और कहा कि दस साल से प्रदेश में लगातार अपराध और नशा बढ़ता जा रहा है।

ईमित्र हैरान : फिर एल-वन और एल जीरो फिंगरप्रिंट डिवाइस का असमंजस

उदयपुर (हिंस)। आधार संबंधित सेवाओं के लिए काम में ली जा रही फिंगर प्रिंट डिवाइस के अपडेशन को लेकर एक बार फिर ईमित्र हैरान-परेशान हो रहे हैं। किसी के एल-वन चल रही है तो किसी के एल-वन काम नहीं कर रही। किसी ने एल-जीरो हटा दी तो दुबारा चलाने में पसीना आ रहा है। अब आधार विभाग ने ऐसे दिशा निर्देश जारी किए हैं जिनका लब्बोलुआब यह निकल रहा है कि जिसके जो डिवाइस चल रही है, वह चलने दो, पूर्ण बदलाव की तारीख 31 मार्च 2025 कर दी गई है। दरअसल, फिंगर प्रिंट डिवाइस बदलने की कहानी छह माह से परेशान कर रही है। पहले अचानक आदेश आ गए थे कि पुराना एल-जीरो मॉडल बदलकर एल-वन मॉडल करना होगा। मोहलत कम थी और बाजार में डिवाइस उपलब्ध नहीं थी, तब कालाबाजारी का अंदेशा हो चला। मामला उठा तो तारीख बढ़ा दी गई। इसके बाद 27 सितंबर 2024 को आदेश जारी हुआ कि एल-वन डिवाइस तकनीकी रूप से पूर्ण सक्षम नहीं है। ऐसे में फिर से संशय की स्थिति बन गई। इस आदेश का अपडेशन एक नवम्बर को जारी अगले आदेश में हुआ, जब एल-वन डिवाइस में त्रुटि सुधार की अवधि 30 नवम्बर की गई। अब हाल ही, 29 नवम्बर को एक और आदेश जारी हुआ है जिसमें पिछले सभी आदेशों का सार लिखते हुए कहा गया कि एल-वन में त्रुटि सुधार की तारीख 31 दिसंबर कर दी गई है। और पुराने मॉडल एल-जीरो अब 31 मार्च 2025 तक चलती रहेगी। इस क्षेत्र में कार्यरत हर सेवा प्रदाता यह मांग कर रहा है कि यदि 31 दिसंबर तक एल-वन में सुधार की अंतिम तिथि है तो एक जनवरी से एल-वन लागू करने का आदेश क्यों नहीं जारी किया जा रहा है। इस आदेश के अभाव में सभी यही मानकर चल रहे हैं कि असमंजस की पीड़ा 31 मार्च तक भोगनी होगी।

समाजवादी पार्टी के नेता ने की राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन के बीच छींटाकशी का दौर शुरु हो गया है। लखनऊ और आजमगढ़ से जुड़े समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह ने रविवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी कर दी। समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह ने कहा कि इन्होंने जिद कर ली है कि ये अब नहीं सुधरेंगे। जनता ने, विपक्षी दलों ने बहुत अवसर दिया इनमें नेतृत्व का घोर अभाव है। इनकी उम्र 55 की और दिल बचपन का है। 1989 की भांति विपक्ष को नया नेता चुनना ही होगा, जो सत्ता परिवर्तन कर सके। रविवार को समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव ने भी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर तीखी टिप्पणी की। फिर भी महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस के बड़े नेताओं पर टिप्पणी करने से बचते रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ हजारों लोगों का प्रदर्शन

बागपत (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं, अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में जिला बागपत में विशाल रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। सर्व समाज द्वारा धरना प्रदर्शन में भाग लिया गया। रैली सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज से चलकर रार्ट्रवंदना चौक तक पहुंची। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में रविवार को सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज में धरना प्रदर्शन तथा जन आक्रोश रैली आयोजित की गई। इस प्रदर्शन में जिले के हिंदू समाज के विभिन्न संगठनों तथा सर्व समाज ने संयुक्त रूप से हजारों लोगों ने सहभाग किया। इस रैली का आव्हान सनातन धर्म रक्षा मंच द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता परशुरामेश्वर महादेव मंदिर के महंत देव मुनि जी महाराज ने की तथा मुख्य वक्ता श्रीमान शिवकुमार ने कहा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भारत के सभी समाज एकजुट होकर

इसका विरोध करते हैं। भारत की सरकार से मांग करते हैं कि वह इस पर कार्यवाही करें। कार्यक्रम में पुरा महादेव के मुख्य पुजारी जय भगवान, गजेंद्र आचार्य, अलावलपुर आश्रम के महंत धीर दास जी महाराज, श्रीमान कार्तिक गिरी जी महाराज रहे मंच का संचालक सत्यव्रत आर्य तथा विकास माजरा ने किया। तत्पश्चात पृथ्वीराज चौहान कॉलेज के मैदान से राष्ट्र वंदना चौक तक आक्रोश रैली निकाली गई तथा राष्ट्र वंदना चौक पहुंची। विधायक योगेश धामा के साथ अन्य लोगों द्वारा उप जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई है कि बागपत के निवासी, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों से गहराई से व्यथित हैं। हाल ही में, बांग्लादेश में हिंदुओं के मंदिरों और घरों पर हमले, हिंसा और उत्पीड़न की कई घटनाएं सामने आई हैं। कुछ प्रमुख घटनाएं जो इस बात की ओर इशारा करती हैं कि बांग्लादेश में मानवाधिकारों का गला घोंटा जा रहा है और हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। भारत सरकार बांग्लादेश सरकार पर दबाव डाले ताकि हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और उन्हें अपने धर्म और संस्कृति का पालन करने की स्वतंत्रता मिले।

महिला सीओ के खिलाफ ठाकुरगंज विधायक ने दिया विवादित बयान

किशनगंज (हिंस)। ठाकुरगंज विधायक साऊद आलम ने दिघलबैंक की महिला पदाधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए विवादित बयान दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान दिघलबैंक अंचल की महिला सीओ के संदर्भ में कहा, पहली बात तो यह कि वहां मैडम दुपट्टा ओढ़ती ही नहीं है, पता नहीं उस दिन कैसे जानबूझकर दुपट्टा लेकर आई। विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद इसकी तीव्र आलोचना शुरू हो गई। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के किशनगंज जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा किसी बड़े पद पर आसीन क्षेत्र के विधायक द्वारा महिला पदाधिकारी के बारे में इस प्रकार की अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना अत्यंत निंदनीय है। उन्हें इस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। 30 नवंबर को महिला सीओ को तुलसिया पंचायत में अवैध बालू खनन की सूचना मिली थी। उन्होंने अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई करने की कोशिश की तो दबंग मुखिया मो. जैद अजीज ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन्हें धमकाया और हाथापाई की। इस घटना के बाद महिला सीओ ने दिघलबैंक

थाना में आवेदन देकर दबंग मुखिया और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और दबंग मुखिया की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। सीओ द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार उक्त मुखिया के खिलाफ पहले भी सरकारी कार्य में बाधा डालने को लेकर वर्ष 2021 में दिघलबैंक थाना में मामला दर्ज है। यह घटना एक बार फिर से यह साबित करती है कि कैसे दबंग और अवैध गतिविधियों में शामिल लोग कानून का उल्लंघन करते हैं और महिलाओं के साथ दुर्व्यहार हार करते हैं।

रामगढ़ एसपी ने वॉल्कन बजाज शोरूम में सीएनजी बाइक किया लॉन्च

रामगढ़

विश्व की पहली सीएनजी बाइक बजाज कंपनी ने लॉन्च की है। रामगढ़ शहर के वॉल्कन बाजार शोरूम में रविवार को एसपी अजय कुमार ने पल्सर एन-25 के नए मॉडल को लॉन्च किया।

ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लोकप्रिय होगी बाइकः एसपी

इस दौरान उन्होंने कंपनी और शोरूम के कर्मियों को बधाई दी। एसपी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण की वजह से हमारा समाज बीमार हो रहा है। सीएनजी बाइक इन सब प्रदूषण को तो दूर करेगी ही, साथ ही इसका बेहतरीन मॉडल और लुक ग्राहकों को भी पसंद आएगा।

एसपी ने बताया कि पूरी दुनिया अब कृत्रिम चीजों से हटकर प्राकृतिक चीजों पर निर्भर हो रही है। पहले थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर में सीएनजी का इस्तेमाल होता था। लेकिन अब टू व्हीलर भी सीएनजी के साथ सुरक्षित साबित होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी का यह बेहतरीन फीचर लोगों को अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि सीएनजी टैंक किसी भी परिस्थिति में विस्फोट नहीं करेगा, चाहे दुर्घटना कितनी भी बड़ी हो।

कंपनी इस मानक पर अगर खरी उतरती है, तो सीएनजी बाइक की सड़कों पर एक नई पहचान बन सकती है। इस मौके पर शोरूम के मालिक दिनेश पोद्दार, वत्सल पोद्दार, विवेक पोद्दार, शोरूम मैनेजर अभिजीत कुमार सिंह, मोहित सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

पूर्वोत्तर राज्यों में 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया, वित्त वर्ष 2023-24 में आठ मामलों में 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में असम और मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में मादक पदार्थ मेथामफेटामाइन की जब्ती में वृद्धि हो रही है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अप्रैल-सितंबर के दौरान 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है। मेथामफेटामाइन, जिसे आइस या क्रिस्टल मेथ के रूप में भी जाना जाता है, भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है। डीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार तस्करी की जांच से संकेत मिलता है कि मेथामफेटामाइन को अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री मार्गों के माध्यम से अवैध रूप से भारत में लाया जा रहा है। तस्करी के लिए नशीली दवाओं को तटीय इलाकों में बसों, ट्रेनों या कारों में विशेष रूप से तैयार किए गए डिब्बों में छुपाकर लाया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में डीआरआई ने 11 मामलों में 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया। वित्त वर्ष 2023-24 की पूरी अवधि में आठ मामलों में 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया। डीआरआई की पिछली रिपोर्ट के अनुसार 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की अवैध बाजार में कीमत 274.75 करोड़ रुपये है। शासन ने इस विषय पर ध्यान देने की जरूरत बताई है और तस्करी को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाने की मांग की है ।

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन में गिरावट, मूंगफली, विदेशी बाजारों में भाव सुधरने से पाम-पामोलीन तेल में हुआ सुधार

नई दिल्ली। विदेशों के साथ साथ स्थानीय मांग कमजोर रहने की वजह से बीते सप्ताह देश के खाने के तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तिलहन के भाव में गिरावट दर्ज हुई। जबकि विदेशों में भाव सुधरने से सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा सस्ता होने के बीच जाड़े की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि बीते सप्ताह मांग कमजोर रहने के बीच सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। कीमत की इस गिरावट की वजह से मंडियों में सरसों की आवक भी घटी है जो पहले के लगभग दो लाख बोरी से घटकर 1.40-1.45 लाख बोरी रह गई। जबकि देश में सरसों की रोजाना मांग 3.5-4 लाख बोरी की है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,275-2,375 रुपये और 2,275-2,400 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 200-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,035 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन इंदौर के दाम क्रमशः 10 रुपये, 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ क्रमशः 13,885 रुपये और 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सोयाबीन डीगम तेल का भाव 9,885 रुपये क्विंटल पर अपरिवर्तित बने रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये सुधरकर 6,250-6,625 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की तेजी के साथ 14,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 55 रुपये की तेजी दर्शाता 2,185-2,485 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 400 रुपये सुधरकर 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 14,750 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन से सस्ता होने के बीच मांग बढ़ने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 50 रुपये के सुधार के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ ।

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में होगी हलचल

पांच मुख्य बोर्ड, छह एसएमई 18,500 करोड़ रुपये जुटाने को पेश करेंगी आईपीओ

नई दिल्ली

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में हलचल मचने वाली है। विशाल मेगा मार्ट, टीपीजी कैपिटल समर्थित साई लाइफ साइंसेज और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स जैसी 11 कंपनियां अपने आरंभिक शेयर बिक्री (आईपीओ) के लिए तैयार हैं, जिनका सामूहिक लक्ष्य लगभग 18,500 करोड़ रुपये जुटाना है। इस दौरान पेश किए जाने वाले मुख्य बोर्ड के अन्य आईपीओ में इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड और ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली डायमंड ग्रेडिंग कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड शामिल हैं।

पांच मेनबोर्ड आईपीओ के साथ, छह सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एसएमई) अगले सप्ताह अपने पहले सार्वजनिक निर्गम जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। इनका लक्ष्य सामूहिक रूप से 150 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का है। साल 2024 में अब तक हुंदै मोटर इंडिया, स्विगी, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, बजाज हाउसिंग फाइनेंस और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सहित 78 मुख्य बोर्ड की कंपनियों ने मुख्य बोर्ड के माध्यम से सामूहिक रूप से लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह 2023 में इस मार्ग से 57 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 49,436 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। विशाल मेगा मार्ट, साई लाइफ साइंसेज और मोबिक्विक के आईपीओ 11 दिसंबर को सार्वजनिक सदस्यता के लिए खुलेंगे और 13 दिसंबर को बंद होंगे इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस और इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के तीन दिन के आईपीओ क्रमशः 12 दिसंबर और 13 दिसंबर को खुलेंगे।

वैश्विक रुझानों, एफआईआई के रुख से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों के साथ ही वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों के रुख से शेयर बाजारों की चाल प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमतों से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होगी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों को वैश्विक संकेतों, घरेलू आर्थिक संकेतकों और विदेशी तथा घरेलू संस्थागत निवेशकों के रुख से आगे की दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रुपये की विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमत जैसे प्रमुख कारक भी बाजार के रुझानों को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, भू-राजनीतिक तनाव चुनौतियां पेश करते रहते हैं। हालांकि, डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में हालिया गिरावट ने भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाया है। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 1,906.33 अंक उछला, जबकि एनएसई निफ्टी में 546.7 अंक की बढ़त हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि दिसंबर की शुरुआत में एफआईआई के एक बार फिर खरीदारी शुरू करने से बाजार की धारणा सकारात्मक हुई है।

भूटान में 2029 में चालू होगी खोरलोचू जलविद्युत परियोजना : टाटा पावर

नई दिल्ली

टाटा पावर का भूटान में 6,900 करोड़ रुपये की खोरलोचू जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और संयंत्र के 2029 तक शुरू होने की संभावना है। यह 600 मेगावाट की परियोजना पड़ोसी देश के पूर्वी हिस्से में खोलोंगचू नदी पर विकसित की जा रही है। यह बात टाटा पावर के एक अधिकारी ने कही है।

भारत के बाहर जलविद्युत परियोजनाओं की योजनाओं पर एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने बताया कि हम भूटान पर नजर रख रहे हैं। खोरलोचू में 600 मेगावाट की परियोजना के लिए काम पहले ही शुरू हो चुका है, सुरंग का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना सितंबर 2029 में शुरू होने की संभावना है।

टाटा पावर और भूटान स्थित ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीजीपीसी) ने अगस्त में 6,900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जलविद्युत परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी की थी। इस साझेदारी के तहत टाटा पावर का सार्वजनिक-निजी भागीदारी वाली कंपनी खोरलोचू हाइड्रो पावर लिमिटेड में 40 प्रतिशत इक्विटी निवेश शामिल है।

उन्होंने कहा कि साझेदारी के तहत भूटान में 1,125 मेगावाट की एक और परियोजना स्थापित की जाएगी। दोरजिलुंग एचईपी (जलविद्युत परियोजना) का निर्माण-पूर्व कार्य जनवरी 2025 में शुरू होगा और परियोजना के 2031 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर चर्चा, अगले वर्ष तक रेपो रेट 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रहेगी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में अपनी मौद्रिक नीति पर चर्चा करते हुए ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं की। अगले वर्ष तक रेपो रेट 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रहेगी, जबकि कैश रिजर्व रेशियो 0.50 फीसदी कम किया गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई से राहत दिलाने को अपनी प्राथमिकता बताई है।

महंगाई दर 14 महीने के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई है और इसके कारण रिजर्व बैंक की टारगेट रेंज को 2 से 6 फीसदी में रखने का प्रयास किया जा रहा है। महंगाई दर की इस बढ़ोतरी के बावजूद, गवर्नर शक्तिकांत दास अभी भी ब्याज दरों में कटौती करने के अनुकूल नहीं हैं। इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर

रघुराम राजन के नक्शेकदम पर चलते हुए गवर्नर शक्तिकांत दास का रुख दिखाई दे रहा है। रघुराम राजन ने भी अत्यधिक महंगाई के समय ब्याज दरों को बढ़ाया था, अगर भी सरकार चाहे तो वे कदम नहीं उठा पाए थे।

वित्त और उद्योग मंत्रियों ने भी ब्याज दरें कम करने की मांग की है ताकि व्यापारियों को विस्तार और कैपेसिटी बढ़ाने के लिए सस्ता पैसा मिल सके। इस सभी चर्चाओं के बीच, अभी तक कोई निर्णय सुनिश्चित नहीं हुआ है की ब्याज दरों में कटौती होगी या नहीं।

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर के पहले सप्ताह में किया 24,454 करोड़ का निवेश

भारतीय शेयर बाजारों में स्थिरता की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में मजबूत वापसी की है। पिछले दो महीनों में हुए बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों ने दिसंबर के पहले सप्ताह में 24,454 करोड़ रुपये के शुद्ध निवेश किए हैं। इसके चलते भारतीय शेयर बाजारों में स्थिरता की संभावना बढ़ गई है।

विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक हालात में स्थिरता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। निवेशकों ने पिछले महीनों में बड़ी निकासी की थी, जिससे भारतीय शेयर बाजारों में दबाव देखने को मिला था। प्रवाह में देखने के अनुसार 2024 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रुख 9,435 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

इस वापसी में भारतीय कंपनियों का तीसरी तिमाही की आय प्रदर्शन और आर्थिक वृद्धि का मोर्चा है। वेतन योजना, मुद्रास्फीति और ब्याज दरें भी इसमें महत्वपूर्ण हैं। भारतीय निवेशकों की भी भावनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने छह दिसंबर तक 24,454 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इस स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे की उम्मीदें बढ़ी हैं।

अदाणी के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम, मिल सकता है नया खरीदारः विश्लेषक

कंपनी पर अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप लगे हैं, समूह ने सभी आरोपों से किया है इनकार

नई दिल्ली

विश्लेषकों का कहना है कि अदाणी समूह के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम है और समझौता रद्द होने की स्थिति में कंपनी को नए खरीदार मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि कंपनी पर अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप लगे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य पर अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के आठ गीगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति का ठेका प्राप्त करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने में शामिल होने का आरोप लगाया है। समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अदाणी के प्रवर्तक दोषी पाए जाते हैं, तो हमारा मानना है कि संभावित जुर्माना दिया जा सकता है, क्योंकि यह रिश्वत के मूल्य से तीन गुना तक हो सकता है। ब्रोकरेज ने कहा कि फरवरी-मार्च से

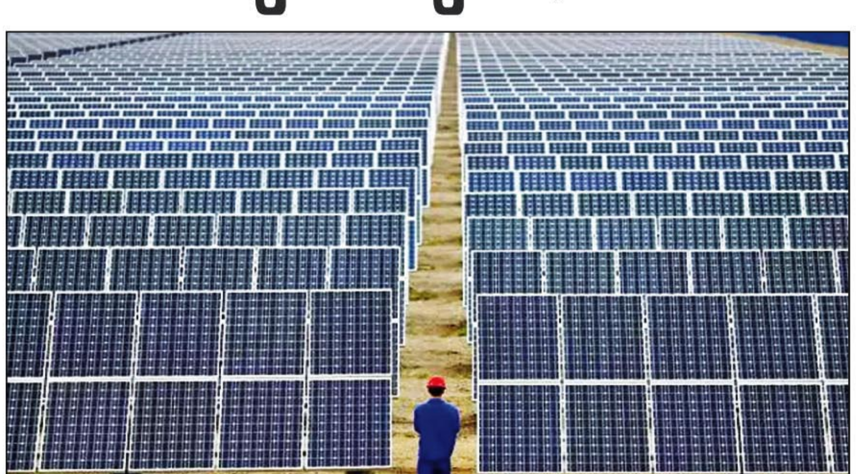

गुजरात में करीब 1.8 गीगावाट की सौर परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनका शुल्क 25 साल के बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के तहत 2.42 रुपये प्रति यूनिट है। इसमें आगे कहा गया कि इस तरह के शुल्क स्तर बहुत अधिक नहीं है और इन प्रभावित परियोजनाओं पर संभावित पीपीए रद्द होने के बावजूद, एजीईएल को इन परियोजनाओं के लिए नीलामी के जरिये फिर से अनुबंध हासिल करने में सक्षम होना चाहिए, जिसमें शुल्क स्तरों में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं होगी। न्यूयॉर्क की अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग दायर करने के बावजूद समूह को वित्तपोषण चैनलों तक पहुंच जारी रहेगी।

मोटर साइकिल को चमकाए सफेद टूथपेस्ट से

नई दिल्ली। आप अपनी मोटर साइकिल को घर पर ही चमका सकते हैं। इसके लिए आपको सर्विस सेंटर जाने की जरुरत नहीं है। इसके लिए आपको चाहिए सिर्फ सफेद टूथपेस्ट, एक मुलायम कपड़ा और थोड़ा पानी। बाइक को चमकाने के लिए सबसे पहले आपको बाइक की सतह को गीले कपड़े से साफ करना होगा ताकि उस पर जमी धूल और गंदगी हट जाए। फिर, सफेद टूथपेस्ट को हल्के स्क्रैच और गंदे हिस्सों पर लगाएं। टूथपेस्ट के हल्के घर्षणकारी गुण बाइक की सतह पर जमी गंदगी, हल्के स्क्रैच और ऑक्सिडेशन को हटाने में मदद करते हैं। इसके बाद, गीले माइक्रोफाइबर कपड़े से टूथपेस्ट को सर्कुलर मोशन में रगड़ें। इस प्रक्रिया से स्क्रैच और गंदगी धीरे-धीरे हटने लगती है और बाइक की सतह पर चमक आ जाती है। जब टूथपेस्ट रगड़ने के बाद पूरी तरह से हट जाए, तो एक साफ और गीला कपड़ा लें और इसे अच्छे से पोंछ दें। इसके बाद बाइक को सूखे कपड़े से पोंछ कर चमका लें। इस तरीके से आपकी बाइक को सर्विस सेंटर जैसी चमक मिल सकती है। हालांकि, ध्यान रखें कि यह तरीका केवल हल्के स्क्रैच और धातु या प्लास्टिक की सतहों पर ही इस्तेमाल करें। पेंट वाली सतहों पर इसे ज्यादा रगड़ने से बचें।

रोहन बोपन्ना के खिलाफ खेलना आसान नहीं : सुमित नागल

मुंबई

भारतीय टेनिस सनसनी सुमित नागल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीज़न 6 में स्टैंड-आउट खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। नागल पुरुष एकल और युगल वर्ग में गुजरात पैंथर्स के लिए खेल रहे हैं।

गुजरात पैंथर्स ने सेमी फाइनल चरण में जगह बना ली है और नागल अपनी टीम के शिविर में ऊर्जा से उत्साहित हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, यह एक सुंदर वातावरण है। हर कोई बहुत अच्छा है और हमेशा हमारे लिए मौजूद है। मैंने इन दो सीज़न में गुजरात पैंथर्स के लिए खेलने का आनंद लिया है। लीग के पहले मैच के दिन गुजरात पैंथर्स का सामना राजस्थान रेंजर्स से हुआ, जिसमें नागल ने पुरुष युगल वर्ग में भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना से मुकाबला किया और मुकाबला हार गए। मैच पर नागल ने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति (बोपन्ना) के साथ खेलना आसान नहीं है जिसने स्लैम जीता हो। दिन के अंत में, यहां रहना और ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना मजेदार है।

टेनिस प्रीमियर लीग हर सीज़न में खेले जाने वाले टेनिस के पैमाने, प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता के मामले में बढ़ रहा है।

टीपीएल में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, नागल ने कहा, यह बहुत अच्छा रहा है। यदि आप इस वर्ष खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखें। आप देख सकते हैं कि पहले से एक बड़ा अंतर है।

अंत में, अपने भविष्य के लक्ष्यों और अपने आगे के करियर पर, नागल ने कहा, मेरा लक्ष्य अगले साल शीर्ष 50 एटीपी रैंकिंग हासिल करना है और मैं वहां रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

न्यूज़ ब्रीफ

सिराज ने हेड के दावों को गलत बताते हुए कहा , मैंने कोई टिप्पणी नहीं की थी

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड के बीच विवाद भी हुआ। उसी को लेकर सिराज ने हेड के दावे को गलत बताया है। सिराज ने कहा कि मैंने हेड पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। इस मैच में विवाद उस समय शुरु हुआ जब सिराज ने छक्का लगने के तुरंत बाद हेड का विकेट लिय। आउट होने के बाद सिराज ने ड्रेसिंग रूम की ओर कुछ इशारा किया, जिस पर हेड ने प्रतिक्रिया दी। इस घटना को लेक हेड ने कहा कि उन्होंने सिराज की गेंद की तारीफ की थी पर उनका मानना था कि इस पर जश्न मनाने की जरुरत नहीं थी।हेड ने कहा, मैंने वास्तव में मजाक में कहा था अच्छी गेंदबाजी की, फिर उन्होंने मुझे शेड की ओर इशारा किया, इसपर मैंने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। मैं इसे ज्यादा खींचना नहीं चाहता था इसलिए पेवेलियन की ओर बढ़ या। वहीं दूसरी ओर पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह के साथ बातचीत में सिराज ने हेड के दावे को गलत बताया। सिराज ने कहा, आपने टीवी पर जो कुछ भी देखा, वह मेरे जश्न का हिस्सा था और मैंने किसी के प्रति अनादर नहीं जताया। उन्होंने कभी नहीं कहा कि अच्छी गेंदबाजी की।

शमी भेजे जा सकते हैं ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बॉर्डर गावस्कर सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए शीघ्र ही ऑस्ट्रेलिया भेजा जा सकता है। भारतीय टीम को सीरीज के दूसरे ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में शमी के जाने से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से दबाव कम होगा। शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेल रहे हैं। यहां उनको फिटनेस में अभी तक कोई समस्या नहीं हुई है। ऐसे में एनसीए की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस की जांच करेगी और सब कुछ ठीक होने पर उन्हें दौरे पर भेजा जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 26 दिसंबर 'बॉक्सिंग डे' से शुरु हो रहे चौथे टेस्ट में खेल सकते हैं। वहीं प्राप्ति जानकारी के अनुसार शमी की किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेज दी गई है। ऐसे में अब वह मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के पूरा होने के बाद ऑस्ट्रेलिया जाएंगे।' शमी पिछले एक साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। उसके बाद से ही टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक टीम से बाहर रहना पड़ा। दूसरी ओर बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा, शमी चंडीगढ़ के खिलाफ हमारे लिए प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेंगे।वह कल तक बेंगलुरु में हमारे साथ जुड़ जाएंगे. हालांकि, मुझे नहीं पता कि अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो वह उपलब्ध होंगे या नहीं। लगता है कि वह फिट होंगे और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।

न्यूजीलैंड की टीम डब्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर हुई

वैलिंगटन । इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 323 रनों से मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल की रेस से बाहर हो गयी है। कीवी टीम को पहले मैच में भी 8 विकेट के हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। उसने इस मैच में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 583 रन का बड़ा लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम केवल 259 रन पर ही आउट हो गयी। उसे जीत के लिए अंतिम दोनों ही टेस्ट मैच जीतने थे पर उसमें वह असफल रही। अब फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम है।

डे-नाइट टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले गए दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 19 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने बिना कोई विकेट गंवाए आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था।

मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 175 रन बनाए और 18 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह मेजबान टीम को 19 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना कोई नुकसान के जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाजी उस्मान ख्वाजा नौ रन और नाथन मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा।

भारत की दूसरी पारी

भारतीय टीम ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। ऋषभ पंत स्लिप में कैच आउट हो गए। पंत ने 28 रन बनाए। इसके बाद रविचन्द्रन अश्विन भी कुछ खास नहीं कर सके और सात रन बनाकर आउट हो गए। हर्षित राणा खाता भी नहीं खोल सके। नीतीश रेड्डी ने जरूर बल्ले से कुछ रन बटोरे। वह अर्धशतक से चूक गए और 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मोहम्मद सिराज सात रन बनाकर आउट हुए और भारत की दूसरी पारी 175 रन पर सिमट गई। इससे पहले शनिवार को दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 24 रन, केएल राहुल सात रन, शुभमन गिल 28 रन, विराट कोहली 11 रन और कप्तान रोहित शर्मा छह रन बनाकर आउट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस ने पांच विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 337 रन बनाए, हेड का शतक, लाबुशेन ने लगाया अर्धशतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने 141 गेंदों पर 17 चौके और 4 छक्के की बदौलत 140 रन बनाए। हेड के अलावा मार्नश लाबुशेन ने भी 64 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा नाथन मेकस्विनी ने 39 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने 4-4 और नीतीश रेड्डी और रविचन्द्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

आईपीएल 2025 के पहले मैच में सूर्यकुमार कर सकते हैं मुम्बई इंडियंस की कप्तानी

मुम्बई

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रतिबंध के कारण आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा।

ऐसे में माना जा रहा है कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी मिलेगी। सूर्या के अलावा अन्य कोई खिलाड़ी बड़ा दावेदार नहीं दिखता। पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है कयोंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें।

मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम -12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

कमाई में भी पीछे नहीं हैं ईशान

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल अपनी वापसी के प्रयास में लगे हैं और जब भी अवसर मिले बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करते हैं। ईशान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड का केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिला है। इसके बाद भी उनकी कमाई करोड़ों में है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल नेटवर्क 62 करोड़ रुपए के करीब है। वह आईपीएल से ही करोड़ों कमा लेते हैं। आईपीएल 2024 तक मुंबई इंडियंस ने ईशान को 15.25 करोड रुपए में रखा था।

फ्री स्की विश्वकप

हबेई में अमेरिका के एलेक्स फेरेरा एफआईएस फ्री स्की विश्वकप में भाग लेते हुए।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

ब्रिसबेन

एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल के शतकों से ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में भारतीय महिला टीम को 122 रनों से हराने के साथ ही 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पैरी ने 105 जबकि वोल ने 101 रन बनाये इससे मेजबान टीम ने आठ विकेट पर 371 रनों का सबसे बड़ा एकदिवसीय स्कोर बनाया। जीत के लिए मिले इस लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 249 रन ही बना पायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए फोबे लिचफील्ड 60 और वोल की सलामी जोड़ी ने 130 रन की साझेदारी के साथ ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। वोल ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए पैरी के साथ 92 रनों की साझेदारी की। वोल के आउट होने के बाद पैरी की आक्रामक बल्लेबाजी जारी रही। उसने बेथ मूनी 56 के साथ मिलकर 98 रनों की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय गेंदबाजों में साइमा ठाकोर सबसे सफल रही। उन्होंने 62 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मिन्नू मनी ने 71 रन देकर दो विकेट वहीं रेणुका सिंह ने 78 रन पर एक विकेट लिया।, दीप्ति शर्मा ने 59 रन देक एक विकेट जबकि प्रिया मिश्रा ने भी 88 रन पर एक विकट लिया।

मध्य प्रदेश की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स लॉच, सूरत में 12 दिस. से शुरु होने वाली बिग क्रिकेट लीग में भाग लेगी

इन्दौर

रेडिसन होटल, इन्दौर में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। सूरत में 12 दिसंबर से शुरू होने वाले बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) में एमपी टाइगर्स टीम ने क्रिकेट जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

स्पोर्ट्समिंट के स्वामित्व वाली एमपी टाइगर्स टीम का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एमपी टाइगर्स ने बीसीएल में भाग लेने का फैसला किया है। बीसीएल एक अनूठा टूर्नामेंट है जो पेशेवर, युवा, मेहनती मौके की तलाश कर रहे क्रिकेटरों को खेलने का मौका देता है। एमपी टाइगर्स ने अपने स्क्वाड में 10 महत्वाकांक्षी और 8 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन खिलाड़ियों का चयन पूरे भारत में आयोजित हुए कई शिविरों के माध्यम से किया गया है।

एमपी टाइगर्स का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के विकास के लिए काम करना है। टीम 2025 में इन दोनों राज्यों में ट्रायल आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को बीसीएल में खेलने का मौका मिल सके। एमपी टाइगर्स का विजन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय क्रिकेट में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। टीम का मानना है कि बीसीएल इस क्षेत्र के क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष आर.पी. सिंह ने कहा कि मैं एमपी टाइगर्स के बीसीएल में शामिल होने पर बेहद उत्साहित हूं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे क्रिकेट के गढ़ से एक नई टीम का आगमन हमारे लीग को और मजबूत बनाएगा। एमपी टाइगर्स की युवा प्रतिभाएं बीसीएल को एक नई ऊर्जा देंगी।

हम उम्मीद करते हैं कि यह टीम मध्य भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बनेगी। बीसीएल का लक्ष्य भारत में घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देना है और एमपी टाइगर्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेंगे।

एमपी टाइगर्स के प्रमोटर राहुल भदौरिया ने कहा कि आज हम सभी के लिए एक गौरव का क्षण है। एमपी टाइगर्स का जन्म मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सपने के रूप में हुआ था। आज यह सपना साकार हो रहा है। हमने इस टीम को बनाने में बहुत मेहनत की है। हम उम्मीद करते हैं कि एमपी टाइगर्स बीसीएल में एक मजबूत दावेदार साबित होगी। हम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और एमपी टाइगर्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष आर.पी. सिंह, मप्र के प्रतिष्ठित खिलाड़ी नमन ओझा, भारतीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण स्तम्भ - संजय जगदाले, एमपी टाइगर्स के प्रमोटर - राहुल भदौरिया, मप्र के रणजी आइकन जतिन सरसेना एवं प्रसिद्ध टीवी एंकर सुश्री शैफाली बग्गा मौजूद थे।

जानकारी

पोषक तत्वों का खजाना है मूंगफली

पोषक तत्वों का खजाना है मूंगफलीसर्दियों के दिनों में मूंगफली की खूब मांग होती है. मूंगफली में लगभग सारे पोषक तत्व होते हैं. यह काफी स्वास्थ्यकर भी है. मूंगफली प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत होता है. केवल मूंगफली ही नहीं बल्कि इसका तेल भी कई तरह से हमें फायदा पहुंचाता है. यह शरीर की त्वचा पर मौजूद कीटाणुओं को खत्म करने में भी हमारी मदद करता है. क्या आपको पता है कि मूंगफली को भूनकर खाने पर जितनी मात्रा में खनिज मिलता है उतना 250 ग्राम मांस में भी नहीं मिलता. सौ ग्राम कच्ची मूंगफली में एक लीटर दूध के बराबर प्रोटीन पाया जाता है. तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि पोषक तत्वों का खजाना मूंगफली कई बीमारियों को भगाने में मददगार है.

दिल के लिए

दिल की सेहत के लिए मूंगफली काफी फायदेमंद है. अगर सप्ताह में पांच दिन मूंगफली का सेवन सुबह शाम किया जाए तो इससे दिल की बीमारियों की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है. इसके अलावा यह कोलेस्ट्राल को भी नियंत्रित करने का काम करता है.

कैंसर के लिए

मूंगफली में पोलीफिनालिक नाम का एंटी-आक्सीडेंट पाया जाता है, जो पेट के कैंसर को कम करने की क्षमता रखता है. 2 चम्मच मूंगफली के मक्खन का सप्ताह में दो बार सेवन करने से महिलाओं और पुरुषों दोनों में ही पेट के कैंसर का खतरा कम होता है.

हार्मोन्स के संतुलन के लिए

शरीर की विभिन्न प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए हार्मोन्स का संतुलन बेहद ही आवश्यक है. मूंगफली हार्मोन्स का संतुलन बनाये रखने में सहायता करता है. रोजाना 100 ग्राम मूंगफली का सेवन पुरुषों और महिलाओं दोनों में हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखता है.

प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए

मूंगफली में फोलिक एसिड पाया जाता है. यह गर्भावस्था के दौरान भ्रूण में न्यूरल ट्यूब के दोष के खतरे को कम करने में सहायक है साथ ही साथ यह महिलाओं में प्रजनन शक्ति को भी बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है.

हड्डियों की मजबूती के लिए

इसमें कैल्शियम और विटामिन डी की मात्रा मौजूद होती है जिससे हड्डियों को मजबूती मिलती है. यह हड्डियों के लिए एक बेहरीन और सस्ता प्राकृतिक उपचार है.

दाग धब्बे और जर्म्स को दूर भगाएं

आखिर यह होम लौंड्री हाइजीन है क्या? दरअसल, यह एक तरीका है अपने परिवार के मैले कपड़ों और घर में रोजाना प्रयोग होने वाले लिनेन जैसे कि तौलिए आदि के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों को परिवार के अन्य सदस्यों तक पहुंचने से रोकने का. यानी अगर परिवार का एक सदस्य नजला, जुकाम, खांसी या अन्य किसी संक्रामक बीमारी से पीड़ित है, तो बाकी सदस्यों को उस से बचाया जा सके, क्योंकि हर प्रकार का संक्रमण कपड़ों के माध्यम से तेजी से फैलता है।

जो कपड़े सीधे त्वचा के संपर्क में आते हैं जैसे कि तौलिए, बनियान, ब्रा, अंडरवियर, पैंटी, रूमाल और बच्चों की नैपीज आदि रोगजनक कीटाणुओं से बहुत जल्दी दूषित हो जाते हैं. धुलाई के दौरान अगर इन कपड़ों को अलग से न धोया जाए, तो जीवाणुमुक्त कपड़े भी रोगजनक कीटाणुओं से संक्रमित हो जाते हैं.

रोगजनक कीटाणु कपड़ों के माध्यम से ही पूरे परिवार की सेहत को प्रभावित करते हैं. परिवार के सदस्यों के निजी कपड़े अधिक संक्रमण फैलाते हैं. ऊपरी यानी बाहर पहने जाने वाले कपड़े, जैसे कमीज, पैंट, टौप, पायजामा आदि निजी कपड़ों के मुकाबले कम दूषित होते हैं. हां, कभीकभार उलटी, मूत्र या पान की थूक से ये भी संक्रमित हो जाते हैं. ऐसे कपड़ों से गंदगी टिशू पेपर से छुड़ाएं और कपड़े धोने से पहले टिशू को फ्लश कर दें. जिन परिवारों में लोग तौलिए शेयर करते हैं, वहां सूक्ष्म जीव बड़ी आसानी से एक सदस्य से दूसरे तक स्थानांतरित हो जाते हैं.

धुलाई के दौरान सूक्ष्म जीव बड़ी आसानी से संक्रमित कपड़ों से असंक्रमित कपड़ों में कुछ इस तरह से स्थानांतरित हो जाते हैं कि कपड़ों को बारबार खगालने पर भी पूरी तरह से नष्ट नहीं होते. कपड़ों के सूखने की प्रक्रिया में अधिकतर मामलों में संक्रमण इतना कम हो जाता है कि उन से होने वाला खतरा न के बराबर होता है. साधारण स्थितियों में कपड़ों की धुलाई से संक्रमण के स्थानांतरण का खतरा कम होता है, लेकिन घर में कोई बीमार है, तो खतरा बढ़ जाता है.

निम्नलिखित स्थितियों में कपड़े और घर में प्रयोग होने वाले तौलिए आदि संक्रमण फैलाने का कारण बन सकते हैं -

- जब परिवार का कोई बीमार सदस्य परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपना तौलिया शेयर करता है.
- जब मैले कपड़ों को एक बार लौंड्री बास्केट में डालने के बाद धोने से पहले ही दोबारा निकाल कर प्रयोग किया जाता है.
- अगर गीले कपड़ों को लौंड्री बास्केट में बिना सुखाए ही ठूंस दिया जाए, तो गीले कपड़ों में सूक्ष्म जीव पैदा हो जाते हैं.
- मैले कपड़ों को आधा या 1 घंटे से अधिक समय तक भिगो कर नहीं रखना चाहिए. ज्यादा देर तक कपड़े भीगे रहने से उन में बदबू आने लगती है और उन में सूक्ष्म जीव पैदा हो जाते हैं, जो बहुत तेजी से बढ़ते हैं. देखते ही देखते उन की ग्रोथ कई गुना हो जाती है।

रोगजनक कीटाणु कैसे दूर करें

- बहुत अधिक मैले और संक्रमित कपड़ों को कम से कम 60 डिग्री सैल्सियस तापमान के गरम पानी में भिगो कर रखने या फिर 10 मिनट तक मशीन में चलाने से हर प्रकार के बैक्टीरिया, फुंगी व वायरस आदि निष्क्रिय हो जाएंगे. कपड़ों को रोगाणुमुक्त करने के लिए इतना काफी है. अगर कपड़ों पर किसी किस्म के दाग नहीं हैं, तो कपड़ों को ब्लीच आदि करने की जरूरत नहीं है. रसोई में प्रयोग होने वाले डिश क्लौथ, तौलिए और ऐप्रिन आदि को इसी विधि से साफ करना चाहिए अगर आप का लौंड्री प्रोडक्ट यानी साबुन या डिटर्जेंट जिसे आप कपड़े धोने के लिए प्रयोग करती हैं, ब्लीचबेस्ड है, तो कपड़ों को 30-40 डिग्री सैल्सियस तापमान पर धोने से वे पूरी तरह से रोगाणुमुक्त हो जाते हैं. अधिकतर डिटर्जेंट ब्लीचबेस्ड होते हैं. रसोई के कपड़ों जैसे कि किचन टौवल और डिश क्लौथ आदि को अन्य कपड़ों के साथ न धोएं.
- बरसात में भीगे, मैले और गीले कपड़ों को कभी भी बिना सुखाए लौंड्री बैग में न ठूंसें. अगर आप को कुछ घंटों के लिए उन्हें रखना भी है, तो प्लास्टिक की थैली में बंद कर के रखें ताकि उन की बदबू न फैले.
- गीले कपड़ों को कभी भूल से भी सूखे, मैले कपड़ों की टोकरी में न डालें.
- मैले कपड़ों को कुछ इस तरह से अलगअलग कर के धोएं ताकि रोगजनक कीटाणुओं को स्थानांतरित होने से रोका जा सके. ज्यादा मैले निजी कपड़ों जैसे, तौलिए, लिनेन, अंतर्वस्त्र आदि को कमीज, टौप आदि से अलग रख कर धोएं.
- अगर कपड़े धोने वाले को किसी भी प्रकार का सामान्य या गंभीर चर्मरोग है, तो कपड़े धोते समय दस्ताने जरूर पहनें.
- वाशिंग मशीन को हमेशा साफ रखें, विशेष रूप से रबड़ लाइनिंग को. वाशिंग मशीन में सादे पानी में ब्लीचिंग पाउडर डाल कर थोड़ी देर के लिए खाली ही चला दें. ऐसा करने से वाशिंग मशीन हमेशा संक्रमणरहित रहेगी.

ब्यूटी टिप्स

ओट्स का इस्तेमाल, आपके चेहरे पर लाएगा निखार

आपको तो पता ही होगा कि ओट्स हमारे सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि यह जितना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है, उतना ही आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद है, और तो और इससे बने फेसपैक का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को हमेशा के लिए जवां बना सकती हैं. इसमें मौजूद एक्सफोलिएटिंग, क्लींजिंग और माश्चराइजिंग तत्व आपकी त्वचा को बेहद खूबसूरत और मुलायम बना देते हैं.

आप ओट फेस पैक को आसानी से अपने घर पर ही बना सकती हैं. आइए जानते हैं कि ओट फेस पैक कैसे बनायें और इसका इस्तेमाल किस तरह से करें.

ओट मील और एलोवेरा स्क्रब

एलोवेरा का प्रयोग काफी समय से मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए किया जाता रहा है. इसमें मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटरी एलिमेंट मूहांसे, टैनिंग और संक्रमण जैसी त्वचा की समस्याआं को दूर करता है. ओटमील पाउडर को एलोवेरा जेल में अच्छे से मिलाकर चेहरे पर मसाज करें. 3 से 5 मिनट तक मसाज करने के बाद इसे सूखने दें, उसके बाद पानी से धो लें. इस नैचुरल स्क्रब से त्वचा की अंदरूनी सफाई होती है. इससे डेड स्किन के साथ ही ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स की समस्या भी दूर हो जाती है.

शहद और ओट फेसपैक

2 चम्मच ओट्स में थोड़ा कच्चा दूध और एक चम्मच शहद मिलाएं. इसे अच्छे से मिला लीजिए, फिर इस पेस्ट को चेहरे और गले पर 15 से 20 तक के लिए लगाएं. जब यह सूख जाये तो इसे पानी से धो लें. ये फेस पैक ड्राई स्किन के लिए अच्छा है, ये त्वचा को माइश्चराइड करता है और इससे त्वचा में निखार आता है.

ओट्स, गुलाबजल और शहद

2 चम्मच ओट्स में 1 चम्मच गुलाबजल और 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह मिला कर पेस्ट . तैयार करें. इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरा धो लें. फिर देखिये इस पैक का कमाल. कुछ ही हफ्तों में आपकी त्वचा चमक जायेगी.

ओटमील, दूध और नींबू

2 चम्मच उबले ओट्स, 2 चम्मच दूध और 4 चम्मच नींबू का रस मिला लें. जब ये मिश्रण ठंडे हो जाएं तो उसे अपने चेहरे पर धीरे धीरे अप्लाई करें. 20 से 25 मिनट तक रखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें. फिर हल्का सा माइश्चराइजर लगा लें. हफ्ते में दो बार इस पैक का इस्तेमाल करें, चेहरा निखर जायेगा.

ओटमील पैक

थोड़े से ओटमील को पानी में पका लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें. फिर ठंडा पोने के बाद इसे अपने चेहरे पर फेसपैक की तरह लगा लें. इसे 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें, सूखने के बाद पानी से धो लें.

ओटमील और योगर्ट

2 चम्मट ओट्स लें और उसमें दही मिला लें. इसे पूरे चेहरे पर, खासतौर पर रोमछिद्रों वाले हिस्सों पर लगाएं और 20 मिनट तक सूखने दें. फिर ठंडे पानी से धो लें. इससे चेहरे में निखार आयेगा.

सर्दियों में इन चीजों का करे सेवन, शरीर रहेगा गर्म और मिलेगी एनर्जी

सर्दियों में ठंड के कारण शरीर को अंदर से गर्माहट न मिलने के कारण सर्दी-जुकाम, कफ, खांसी और स्किन प्रॉब्लम जैसी समस्याएं हो जाती है। सर्दी में अपने कान-पान का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। ऐसे में आपको इस तरह की चीजों का सेवन करना चाहिए जो आपको अंदर से गर्म रखें। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे जिससे सर्दी में भी शरीर को गर्माहट और एनर्जी मिलेगी।

बाजरा

मैग्नीशियम, कैल्शियम, फाइबर, विटामिन क्ष एंटीऑक्सीडेंट और प्रोटीन का मात्रा से भरपूर बाजरे की रोटी सर्दियों में खाने से शरीर को पूरा दिन एनर्जी मिलती है।

बादाम

विटामिन श्व के गुणों से भरपूर बादाम को सर्दियों में सुबह शहद के साथ खाने से आप की तरह की बीमारियों से बचे रहते है। इससे आपकी कब्ज की समस्या भी दूर होती है।

अदरक

सर्दियों में रोजाना सुहद अदरक का रस पीने से या इसे खाने से आपके शरीर को गर्मी मिलती है। इसके अलावा इससे आपका डाइजेशन सिस्टम भी ठीक रहता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

मछलियों में पाया जाने वाला ओमेगा 3 फैटी एसिड सर्दियों के लिए बहुत पायदेमंद होता है। यह शरीर में इम्युनिटी पॉवर को बढ़ा कर कई बीमारियों को दूर रखता है।

दालचीनी

स्वाद में मीठी दालचीनी सर्दी में आपके शरीर गर्म रखकर ठंड से लड़ने में मदद करती है। आप इसे भोजन, चाय, कॉफी या फिर सुबह गर्म पानी के साथ इसे ले सकते है।

मूंगफली

सर्दियों में मूंगफली खाना तो हर कोई पंसद करता है लेकिन क्या आपको पता है कि इसमें पाए जाने वाले मिनरल्स, कैल्शियम, कैरोटीन और फॉस्फोरस के गुण आपके शरीर को अंदर से गर्म रखते है।

हरी सब्जिया

इस मौसम में पालक, साग, मेथी गाजर, चुकंदर, लहसुन और बथुआ का सेवन इम्यून सिस्टम मजबूत बनाता है। ठंड से बचने के लिए हरी सब्जियों का सेवन सबसे अच्छी खुराक मानी जाती है।

जहरीले स्मौग से बचने के लिए जानिए ये उपाय

आज देश में स्मौग के कहर से कई शहर जूझ रही है. भयंकर धुंध की वजह से सांस लेने में तकलीफ और सड़कों पर कम होती दृश्यता लोगों की परेशानी का सबब बनी हुई है. लोगों का घर से निकलना मुहाल हो गया है. हवा में घुला ये जहरीला धुआं हमारी सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने दिल्ली की वर्तमान हालत को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है. उसने सरकार को एक पत्र लिखकर सभी तरह के आउटडोर एक्टिविटीज तथा स्कूलों में स्पोर्ट्स एक्टिविटीज को तत्काल रोकने का सुझाव दिया है. साथ ही साथ सभी दिल्लीवासियों को घर से बाहर न निकलने की सलाह भी दी है. ऐसे में यह जानना-समझना बहुत जरूरी है कि ये स्मौग क्या है और इसके कारण और दुष्प्रभाव क्या हैं? आखिर यह किस तरह से लोगों को बीमार बना सकता है? तो आइये जानते हैं इन सभी सवालों के जवाब-

क्या है स्मौग?

स्मौग एक तरह का वायु प्रदूषण ही है. यह स्मोक और फौग से मिलकर बना है जिसका मतलब है स्मोकी फौग, यानी कि धुआं युक्त कोहरा. इस तरह के वायु प्रदूषण में हवा में नाइट्रोजन आक्साइड्स, सल्फर आक्साइड्स, ओजोन, स्मोक और पार्टिकुलेट्स घुला होता है, जो हमारी सेहत के लिए बेहद ही हानिकारक है.

क्या है स्मौग का कारण?

सर्दी के मौसम में हवाएं थोड़ी सुस्त होती हैं. ऐसे में डस्ट पार्टिकल्स और प्रदूषण वातावरण में स्थिर हो जाता है जिससे स्मौग जैसी समस्याएं सामने आती हैं. दिल्ली की सीमाओं (पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा) से लगने वाले क्षेत्रों में बहुतायत मात्रा में कृषि की जाती है. यहां के लोग फसल कटने के बाद उसके अवशेषों को जला देते हैं. इससे निकलने वाला धुआं स्मौग की समस्या उत्पन्न करता है. हमारे द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं, फैक्ट्रियों और कोयले, पराली आदि के जलने से निकलने वाला धुआं इस तरह के वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण होता है. इस बार सुप्रीम कोर्ट से बैन होने के बाद भी लोगों ने राजधानी के बहुत से इलाकों में भारी मात्रा में पटाखे आदि फोड़े. जिससे धीरे धीरे प्रदूषण की समस्या गहराती गई और आज दिल्ली जिस स्मौग के बनने की समस्या से जूझ रही है उसमें इनका भी भारी मात्रा में योगदान रहा है.

स्मौग के दुष्प्रभाव

स्मौग की वजह से सांस लेने में तकलीफ तो होती ही है साथ ही साथ इसकी वजह से अस्थमा, एम्फीसिमा, क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वांस संबंधी समस्याएं अपनी गिरफ्त में ले लेती हैं. आइये जाने कि इसका हमारे सेहत पर किस हद तक बुरा असर पड़ रहा है.

खांसी और गले तथा सीने में जलन

जब आप हवा में घुले जहर यानी कि स्मौग के संपर्क में आती हैं तो हवाओं में भारी मात्रा में नाइट्रोजन आक्साइड्स, सल्फर आक्साइड्स, ओजोन और स्मोक मौजूद होने की वजह से आपके श्वसन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है. इससे सीने में जलन होती है और खांसी की भी समस्या पैदा होने लगती है. इसकी वजह से फेफड़ों में संक्रमण भी हो सकता है.

अस्थमा में हानिकारक

अगर आप अस्थमा की मरीज हैं तो आपको स्मौग से बचकर रहने की आवश्यकता है क्योंकि स्मौग में मौजूद ओजोन आपके लिए ज्यादा घातक साबित हो सकता है. इसके कारण आपको सांस लेने मे तकलीफ होने के साथ ही अस्थमा का अटैक आ सकता है. इसलिए अस्थमा के रोगी को इससे बचकर रहने की आवश्यकता है.

आइये जानें इससे बचाव का तरीका

स्मौग के दिनों में कम से कम एक्टिव रहने की कोशिश

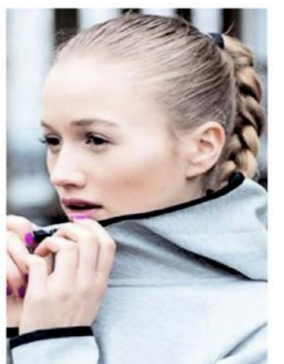

करें. ऐसे मौसम में आप जितना एक्टिव रहेंगे आपको श्वसन संबंधी रोग होने का खतरा उतना बढ़ जाएगा. स्मौग के दुष्प्रभाव से बचने के लिए घर से ज्यादा देर तक के लिए बाहर रहने से बचें. बेहद आवश्यकता पड़ने पर ही घर से बाहर जाएं. बाहर जाने से पहले अपने फेस को पूरी तरह से कवर कर लें या फिर मास्क का इस्तेमाल करें. शहर मे फैले एजेन का स्तर जाने साथ ही बाहर जाने का प्रोग्राम तभी बनाएं जब ओजोन का स्तर कम हो. वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें. ऊर्जा संरक्षण, कार पूलिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे अभियानों में सहयोग दें.

रेसिपी

सूखे काले चने

सामग्री

पानी - जरूरत अनुसार, तेल - 45 मिलीलीटर, कैरम बीज - 1 छोटा चम्मच, धनिया पाऊडर - 3 छोटे चम्मच, लाल मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच, पानी - 220 मिलीलीटर, नमक - 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2, नींबू का रस - 2 बड़े चम्मच, धनिया - गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बर्तन में 200 ग्राम काले चने धो लें और उसमें पर्याप्त पानी डालकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। एक पैन में 45 मिलीलीटर तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 1 छोटा चम्मच कैरम बीज डालकर अच्छी तरह से हिलाएं। फिर इसमें 3 छोटे चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें भिगोएं हुए काले चने डालें और 220 मिलीलीटर पानी, 1 चम्मच नमक भी अच्छी तरह से मिला दें। पैन को ढक्कन के साथ ढंक कर 40-45 मिनट तक पकाएं। अब इसमें 2 हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आपके सूखे काले चने तैयार हैं, इसे धनिया के साथ गार्निश करके सर्व करें।

टेस्टी रोटी पोहा

सामग्री

तेल - 2 बड़े चम्मच, मूंगफली - 75 ग्राम, सरसों के बीज - 1/2 छोटा चम्मच, जीरा - 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 1 छोटा चम्मच, प्याज - 40 ग्राम, टमाटर - 40 ग्राम, शिमला मिर्च - 40 ग्राम, हल्दी - 1/2 छोटा चम्मच, नमक - 1 छोटा चम्मच, पानी - 2 चम्मच, सेव - गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले 3-4 रोटियां लें और इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर एक तरफ रख दें। एक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 75 ग्राम मूंगफली डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इसके बाद इसमें 1/2 छोटा चम्मच सरसों के बीज, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच हरी मिर्च डालकर 2-3 मिनट तक हिलाएं। इसमें 40 ग्राम प्याज डालकर मिलाएं। फिर 40 ग्राम टमाटर डालकर 2 से 3 मिनट तक पकाएं या जब तक कि प्याज हल्के ब्राउन नहीं हो जाते। इसमें 40 ग्राम शिमला मिर्च डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण में 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, चपाती के टुकड़े, 1 छोटा चम्मच नमक डालकर मिलाएं। अब 2 बड़े चम्मच पानी डालकर मिक्स करें। आपका रोटी पोहा तैयार है, इसे सेव के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)